राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार, 24 मई 2022 वर्ष-5,अंक-118 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'जो 370 को मिटाए हैं वो टोक्यो आए हैं' पीएम मोदी जापान पहुंचे तो लगे जय श्री राम के नारे

टोक्यो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्वाड नेताओं की बैठक में शामिल होने के लिए जापान पहुंच गए हैं। इस दौरान भारतीय प्रवासियों ने टोक्यो में पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। क्वाड बैठक में हिस्सा लेने के अलावा पीएम दो दिनों के दौरे पर ही हैं, जिसकी शुरुआत यानि सोमवार से हो रही है। क्वाड सुरक्षा संवाद में भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के नेता शामिल होंगे।

टोक्यो पहुंचे पीएम मोदी का जोरदार स्वागत हुआ। जापान में रहने वाले भारतीय प्रवासियों ने जमकर जय श्री राम के नारे लगाए। साथ ही इस दौरान पीएम मोदी को 'भारत मां का शेर' बताया गया। वीडियोज में देखा जा सकता है कि लोग हाथ में पोस्टर लेकर खड़े हैं, जिनमें लिखा है जो 370 को मिटाए हैं वो टोक्यो आए हैं। पीएम मोदी ने भारतीय प्रवासियों और स्थानीय लोगों से भी मुलाकात। जापान के रहने वाले

एक बच्चे ने जब पीएम मोदी से हिंदी में बात की, तो वह भी बगैर सवाल पूछे नहीं रह सके। उन्होंने बच्चे से पूछा, वाह, हिंदी कहा से सीखी?... आप इसे काफी अच्छी तरह से जानते हैं?

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को कहा कि जापान में क्वाड नेताओं की आमने-सामने की दूसरी शिखर वार्ता से चारों देशों के नेताओं को समूह द्वारा उठाए गए कदमों में हुई प्रगति की समीक्षा करने का मौका मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस वार्ता से हिंद-प्रशांत क्षेत्र के घटनाक्रम के साथ ही आपसी हितों से जुड़े वैश्विक मुद्दों पर विचार साझा करने का अवसर भी प्राप्त होगा।

टोक्यो पहुंचे पीएम मोदी का जोरदार स्वागत हुआ। जापान में रहने वाले भारतीय प्रवासियों ने जमकर जय श्री राम के नारे लगाए। साथ ही इस दौरान पीएम मोदी को 'भारत मां का शेर' बताया गया। वीडियोज में देखा जा सकता है कि लोग हाथ में पोस्टर लेकर खड़े हैं, जिनमें लिखा है जो 370 को मिटाए हैं वो टोक्यो आए हैं।

जापान की दो दिवसीय (23-24 मई) यात्रा पर रवाना होने से पहले मोदी ने एक बयान जारी कर कहा कि इस यात्रा के दौरान वह अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे, जिसमें बहु-आयामी द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा होगी। मोदी ने कहा, हम क्षेत्रीय घटनाक्रम और समसामयिक वैश्विक मुद्दों पर भी संवाद जारी रखेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह जापान के अपने समकक्ष फुमियो किशिदा के निमंत्रण पर टोक्यो जाएंगे। उन्होंने कहा कि मार्च 2022 में उन्होंने 14वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए किशिदा की मेजबानी की थी। मोदी ने कहा, टोक्यो की मेरी यात्रा के दौरान, मैं भारत-जापान विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक भागीदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से हमारी बातचीत को जारी रखने की उम्मीद करता हूं।

उन्होंने कहा कि जापान में वह क्वाड नेताओं की आमने-सामने की दूसरी शिखर वार्ता में भी हिस्सा लेंगे, जिससे चार क्वाड देशों के नेताओं को क्वाड के कदमों की प्रगति की समीक्षा करने का अवसर मिलेगा। मोदी ने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज पहली बार क्वाड शिखर वार्ता में हिस्सा लेंगे।

रेल टिकट पर सीनियर सिटीजन को छूट की मांग, सीपीआइ सांसद ने लिखी रेल मंत्री को चिट्ठी

नई दिल्ली। भाकपा सांसद बिनाय विश्वम ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा है। इस पत्र के जरिये उन्होंने रेल मंत्री से रेलवे में वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायत बहाल करने का अनुरोध किया है।

बिनॉय विश्वम ने पत्र में लिखा है, कई वरिष्ठ नागरिक पूरे टिकट शुल्क का भुगतान करने की स्थिति में नहीं हैं। रियायत की कमी के कारण उन्हें बहुत कठिनाई होती है। इसलिए उन्हें शुल्क के भुगतान में रियायत दी जाए।

मालूम हो कि कोरोना काल में चल रही ट्रेनों की टिकट पर अतिरिक्त किराया भी लगाया गया था साथ ही पेन्ट्री की सेवाएं भी बंद कर दी गई थीं। इन सभी सेवाओं को बहाल किया जा चुका है और अब सबसे ज्यादा इंतजार वरिष्ठ नागरिकों को यात्रा में मिलने वाली छूट का है। बता दें कि 60 से अधिक उम्र के पुरुष और 58 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को रेलवे में सीनियर सिटीजन की कैटगरी में रखा जाता है। राजधानी, शताब्दी, दूरंतो समेत सभी मेल एक्सप्रेस ट्रेनों में पुरुषों को टिकट के बेस फेयर में 40 फीसद और महिलाओं को 50 फीसद की छूट दी जाती थी। हालांकि गरीब रथ ट्रेनों में किसी भी तरह की रियायत नहीं मिलती थी।

रेल मंत्री ने क्या कहा था

गौरतलब है कि वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में मिलने वाली छूट को लेकर पिछले संसद सत्र में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की तरफ से बड़ी जानकारी सामने आई थी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा सत्र में बताया था कि करीब सात करोड़ वरिष्ठ नागरिक करीब दो वर्षों से बिना किसी छूट के ट्रेनों से यात्रा कर रहे हैं। हालांकि अभी इस छूट को बहाल करने की कोई योजना नहीं है।

अपराधियों की कुंडली में दर्ज रहेगी उनके वकीलों की सारी जानकारी

हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस के फैसले को बताया सही

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस द्वारा तैयार की जाने वाली अपराधियों की कुंडली (डोजियर) में अब उनके वकीलों की जानकारी रहेगी। हाईकोर्ट ने वकीलों का ब्योरा रखने के दिल्ली पुलिस के निर्णय को सही ठहराया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि इससे किसी के मौलिक अधिकारों का हनन नहीं होगा।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति नवीन चावला की बेंच ने दिल्ली पुलिस के स्टैंडिंग आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। हाल ही में पारित फैसले में बेंच ने कहा है कि आपराधिक डोजियर बनाने का उद्देश्य सिर्फ अपराधियों/आरोपियों का विवरण दर्ज करना है। इसमें उस वकील का नाम भी शामिल होता है जो अदालतों में उसके मुकदमे की पैरवी कर सकता है। बेंच ने कहा कि ऐसे में यह नहीं कहा जा सकता है कि दिल्ली पुलिस के स्थायी आदेश में किसी तरह की कानूनी खामी है या इससे आरोपी के किसी भी मौलिक अधिकार का हनन होता है। अपराधियों के डोजियर को सार्वजनिक नहीं किया जाता है क्योंकि यह गोपनीय दस्तावेज होता है। इसका इस्तेमाल जांच एजेंसी के सक्षम अधिकारियों तक ही सीमित होता है। यदि जांच अधिकारी अपने महकमे द्वारा जारी सर्कुलर की शर्तों/आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, तो वे आरोपियों के अपने उपयोग के लिए एक डेटाबेस बनाए रखने के हकदार हैं। बेंच ने कहा है कि डोजियर में वकील के नाम, मोबाइल नंबर और अन्य विवरण को शामिल करने भर से, उन्हें (वकील) अदालत में आरोपी का मुकदमा लड़ने से नहीं रोका जा सकता है क्योंकि यह बात सभी को पता होती है कि किस व्यक्ति का मुकदमा कौन वकील लड़ रहा है। हाईकोर्ट ने कहा है कि यह सर्वविदित है कि वादी, जिनमें अपराध करने के आरोपी भी शामिल हैं, अपने मुकदमे की पैरवी के लिए बार-बार एक ही वकील को रखता है। कई बार ऐसी स्थितियां भी होती हैं, जहां आरोपी को हिरासत में नहीं लिया गया है

मौत के आंकड़ों पर डब्ल्यूएचओ से 'हिसाब' मांगेगा भारत

दावोस में मुद्दा उठाने की तैयारी में स्वास्थ्य मंत्रालय

दावोस। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्विट्जरलैंड के दावोस में चल रहे विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रतिनिधियों के साथ भारत में अतिरिक्त कोविड-19 मृत्यु दर के मामले पर अनौपचारिक चर्चा कर सकता है। इस मामले से परिचित लोगों ने यह जानकारी दी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया इस समय डब्ल्यूईएफ में भाग लेने के लिए अपने कुछ कैबिनेट सहयोगियों के साथ जिनेवा में हैं। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री डब्ल्यूएचओ के हालिया विवादास्पद दावे का मुद्दा उठा सकते हैं। दरअसल कुछ समय पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत में कोरोना से होने वाली मौतों के आंकड़े जारी किए थे जो भारत सरकार के आंकड़ों से काफी भिन्न थे। इसमें कहा गया था कि कोविड की वजह से भारत में 1 जनवरी, 2020 से 31 दिसंबर, 2021 के बीच 47 लाख मौतें हुई थीं। जबकि भारत सरकार के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक यह संख्या लगभग 520,000 बताई गई है। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने का अनुरोध करते हुए कहा, ऐसी संभावना है कि केंद्रीय मंत्री डब्ल्यूएचओ में डब्ल्यूएचओ के प्रतिनिधियों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं। यह हाल ही में विवाद का विषय रहा है; जब डब्ल्यूएचओ ने आंकड़े जारी किए, तो सरकार ने यह स्पष्ट रूप से कह दिया था कि जिस तरह से कोविड से अधिक मौतों का अनुमान लगाया गया था, वह उससे सहमत नहीं है। इस मुद्दे के बारे में भारत अब डब्ल्यूएचओ से व्यक्तिगत रूप से चर्चा कर सकता है। 5 मई को, डब्ल्यूएचओ ने एक रिपोर्ट जारी की थी कि भारत में कोविड-19 के कारण मरने वालों की संख्या 31 दिसंबर, 2021 तक दर्ज किए गए 481,000 कोविड-19 की मृत्यु का लगभग 10 गुना थी। भारत सरकार ने, हालांकि, यह कहते हुए डब्ल्यूएचओ के आकलन पर आपत्ति जताई कि प्रक्रिया, कार्यप्रणाली और परिणाम कई मामलों में त्रुटिपूर्ण थे। सरकारी अधिकारियों ने उस वक्त कहा था कि इस मामले को सभी उपयुक्त प्लेटफॉर्म पर उठाया जाएगा। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट जारी होने के बाद नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल ने कहा था, भारत स्पष्ट रूप से इन नंबरों को खारिज करता है। हम डब्ल्यूएचओ के साथ इस मामले को उठाएंगे, और दुनिया के सामने अपना स्टैंड भी रखेंगे।

सोमवार की सुबह दिल्ली के कुछ हिस्सों में हुई बारिश, लोगों को मिली गर्मी से राहत

नई दिल्ली। दिल्ली के कुछ हिस्सों में सोमवार तड़के बारिश हुई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले दो घंटों तक तेज हवाओं के साथ बारिश की भविष्यवाणी की है। आईएमडी ने ट्वीट किया कि सोमवार की सुबह 2 घंटे तक दिल्ली-एनसीआर और आसपास के इलाकों में 50-80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हल्की से मध्यम तीव्रता वाली बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। इससे पहले शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में बारिश हुई थी।

खराब मौसम की वजह से उड़ान परिचालन प्रभावित

इस बीच दिल्ली हवाई अड्डे पर मौजूद सूत्रों की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक,खराब मौसम के कारण दिल्ली हवाईअड्डे पर उड़ानों का परिचालन प्रभावित हुआ है। दिल्ली हवाई अड्डे के अधिकारियों ने यात्रियों से अनुरोध है कि वे अद्यतन उड़ान जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें।

फ्रांस में आयोजित विश्व प्रसिद्ध कान फिल्म फेस्टिवल में सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर और फिल्म अभिनेत्री दीपिका पादुकोण।

खराब मौसम की वजह से दिल्ली एयरपोर्ट पर प्रभावित रहेगी उड़ान सेवा

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बारिश के साथ आंधी चल रही है। इसका असर विमान सेवाओं पर पड़ा है। ऐसे में दिल्ली एयरपोर्ट का कहना है कि खराब मौसम की वजह से उड़ान सेवा प्रभावित रहेंगी। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने यात्रियों को एयरपोर्ट आने से पहले अपनी फ्लाइट की जानकारी संबंधित एयरलाइन से प्राप्त करने को कहा है। जिससे यात्रियों को किसी भी तरह की मुश्किलों का सामना ना करना पड़े। दिल्ली के कई हिस्सों में हुई बारिश-आंधी की वजह से इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विमान संचालन प्रभावित रहने की संभावना है। ऐसे में यदि यात्री जानकारी लेने के बाद एयरपोर्ट आएंगे तो उन्हें असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। मौसम विभाग के अनुसार आज दिल्ली में बारिश और तेज हवाओं का दौर जारी रहेगा। तेज हवाओं की वजह से दिल्ली-एनसीआर में कई जगह पेड़ टूटकर

गिर गए हैं जिससे यातायात बाधित हुआ है।

तापमान में आई गिरावट-बारिश के साथ दिल्ली में आई आंधी से तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। भारत मौसम विभाग के अनुसार, आज सुबह 5:40 से सुबह 7 बजे तक तापमान 11 डिग्री सेल्सियस गिरकर 29 डिग्री सेल्सियस से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

दो दिन धूल भरी आंधी के साथ बारिश के आसार-दिल्ली में सोमवार और मंगलवार को धूल भरी तेज आंधी और बारिश होने के आसार हैं। दोनों दिन अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक बने रहने का अनुमान है। रविवार को अधिकतम तापमान 39.3 और न्यूनतम तापमान 23.1 डिग्री सेल्सियस रहा। दिन भर आसमान में बादलों की आवाजाही जारी रही, जिससे मौसम सामान्य बना रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, 26 मई तक अधिकतम तापमान 40 डिग्री से कम रहने का अनुमान है। इसके बाद 28 से फिर भीषण लू चलने और अधिकतम तापमान 42 डिग्री तक जाने की संभावना है। 23 और 24 मई दोनों दिन 20 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं जाएगा।

28 मई के बाद धूप होगी तेज-मौसम विभाग के मुताबिक पिछले कुछ वर्षों के आंकड़ों पर गौर करें तो 23 से 25 मई के बीच दिल्ली में अधिकतम तापमान 39.9 और न्यूनतम 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं, 26 से 30 मई के बीच देखें तो अधिकतम तापमान 40.4 और न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री रहा है। 28 मई के बाद मौसम साफ होगा। तेज धूप निकलेगी। इससे पहले धूप के साथ बीच-बीच में बादल आते-जाते रहेंगे।

भाजपा में अंदरूनी कलह से आलाकमान चिंतित, वसुंधरा राजे की 'वापसी' ने संकट में डाला

जयपुर। पिछले कई महीनों से भाजपा की राजस्थान इकाई के भीतर की दरार पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के लिए चिंता का विषय रही है। यही वजह है कि पिछले सप्ताह राज्य में हुई राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक के दौरान यह मुद्दा अंदर ही अंदर हावी रहा। गुजरात और हिमाचल प्रदेश में इस साल दिसंबर में चुनाव होने हैं लेकिन बीजेपी ने कई कारणों से इन राज्यों के बजाय राजस्थान में अपने पदाधिकारियों की बैठक आयोजित करने का विकल्प चुना।

दरअसल कांग्रेस ने भाजपा सम्मेलन से ठीक दो दिन पहले उदयपुर में अपना चिंतन शिविर आयोजित किया था जिसने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सत्तारूढ़ दल को काफी चर्चा दी। माना जाता है कि कांग्रेस के ईवेंट को कमतर करने के लिए भाजपा ने चुनावी राज्यों को न चुनकर राजस्थान को चुना।

नड्डा ने किए राजस्थान के दौरे-इसके अलावा भाजपा के भीतर की लड़ाई को एक और महत्वपूर्ण कारक कहा जाता है और जयपुर में कॉन्क्लेव आयोजित करने का उद्देश्य दरार से निपटने के लिए एक और अवसर पैदा करना था। इन प्रयासों के तहत, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पिछले कुछ हफ्तों में राज्य के तीन दौरे किए। 19-21 मई तक तीन दिवसीय पदाधिकारियों की बैठक में शामिल होने से पहले वे 10-11 मई को राजस्थान के गंगानगर और हनुमानगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर थे।

राजस्थान भाजपा नेताओं से दिल्ली में मिले जेपी नड्डा-जेपी नड्डा ने 19 अप्रैल को दिल्ली में राजस्थान के वरिष्ठ भाजपा नेताओं - पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, राज्य इकाई के प्रमुख सतीश पूनिया और जल शक्ति मंत्री गजेंद्र शेखावत के साथ बैठक की थी। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी की राजस्थान इकाई में मतभेद पार्टी के लिए रोड़ा बन सकते हैं। राजे, पूनिया, शेखावत और पूर्व गृह मंत्री गुलाब चंद कटारिया सीएम पद के दावेदार बताए जा रहे हैं।

वापस हरकत में लौटीं वसुंधरा राजे

राजे वापस हरकत में आ गई हैं और भाजपा के सम्मेलन में सबसे आगे दिखीं।

जबकि वह उस घटनाक्रम से अलग रही थीं, जब तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सीएम अशोक गहलोत के खिलाफ विद्रोह किया था और भाजपा ने कथित तौर पर सरकार को गिराने के लिए गहलोत पर हमला किया था। राजे भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। वे जयपुर में 19-21 मई तक तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान सभी कार्यक्रमों में भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा के साथ मौजूद थीं। पूरे राजस्थान में अपनी पकड़ रखने वाली भाजपा की एकमात्र नेता राजे अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी के प्रचार अभियान में अहम भूमिका निभा सकती हैं। 2018 में पिछले राज्य चुनाव हारने के लगभग चार साल बाद सक्रिय ड्यूटी पर लौटने की चर्चा तब शुरू हुई जब उन्होंने उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। राजे ने बजट सत्र के दौरान संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की।

क्यों राजस्थान में मौका देख रही है भाजपा-राजस्थान सत्ताधारी पार्टी को सत्ता से बेदखल करने के लिए जाना जाता है और इसने भाजपा को 2023 में सत्ता में लौटने की उम्मीद दी है। भाजपा ने 2014 और 2019 में राज्य की सभी 25 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की थी। 2018 के राज्य चुनावों के दौरान राजे के खिलाफ काफी नाराजगी थी, लेकिन तब से लगता है कि स्थिति में सुधार हुआ है। अतीत में, राजे ने राज्य में प्रमुख पदों पर अपनी पसंद के नेताओं को नियुक्त करने के लिए भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के प्रयासों को विफल कर दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

अपने भाई बंधु जिसका आदर करते हैं, दूसरे भी उसका आदर करते हैं। - महाभारत

संपादकीय

मौतों की जवाबदेही

यह खबर विचलित करती है कि एक साल में नब्बे लाख लोग प्रदूषण के चलते मौत के मुंह में समा जाते हैं। सबसे चिंता की बात यह कि एक साल में भारत में वायु प्रदूषण से सोलह लाख से अधिक लोग मरे। दुनिया की चर्चित स्वास्थ्य पत्रिका लैंसेट की ताजा रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2019 में प्रदूषण से जो नब्बे लाख मौतें हुई उसमें पिचहत्तर फीसदी मौतें वायु प्रदूषण से हुई हैं। साथ ही तेरह लाख लोगों की मौतें प्रदूषित पानी पीने से हुई। दुनिया में होने वाली हर छठी मौत का प्रदूषण से होना बताता है कि हमें आधुनिक विकास मॉडल की विसंगतियों पर नये सिरे से विचार करना होगा। आज जो औद्योगिक व रासायनिक प्रदूषण लाखों जिंदगियां लील रहा है उस पर अंकुश लगाने की गंभीर पहल होनी चाहिए। निस्संदेह, यह समस्या केवल भारत या विकासशील देशों की ही नहीं है, विकसित देश भी इस संकट से जूझ रहे हैं। लेकिन संपन्न देश इस संकट से बचाव के उपायों को करने में सक्षम हैं। दरअसल, विकसित देशों की समृद्धि शेष दुनिया के संसाधनों के अनैतिक दोहन और पर्यावरण की चिंता किये बगैर हुई औद्योगिक क्रांति के जरिये ही आई है। जब विकासशील व गरीब मुल्कों ने अपनी विशाल जनता का पेट भरने को उद्योगों के विस्तार का निर्णय लिया तो पश्चिमी देशों ने पर्यावरण संकट का राग अलापना शुरू कर दिया। वहीं वैश्विक पर्यावरणीय चिंताओं को दूर करने के लिये विकासशील देशों ने गरीब मुल्कों द्वारा ग्रीन हाउस गैसों पर नियंत्रण के लिये उठाये जाने वाले कदमों के एवज में जो मदद का वायदा किया था, उसे पूरा नहीं किया गया। यही वजह है कि टोक्यो समझौते, पेरिस समझौते से लेकर ग्लासगो घोषणापत्रों को अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका। जबकि हकीकत यही है कि दुनिया के गरीब व विकासशील देश पश्चिमी देशों के साम्राज्यवाद और मुनाफे की लिप्सा की कीमत चुका रहे हैं। दरअसल, मनुष्य की लालच की हद तक मुनाफा कमाने की होड़ ने बीसवीं सदी से ही प्रदूषण का जहर वातावरण में घोलना शुरू कर दिया था। कालांतर यही विकास मानव को विनाश की ओर ले जाने लगा। आज दुनिया का तापमान उस स्तर तक जा पहुंचा है कि ग्लोबल वार्मिंग के रूप में कुदरत के कहर से मानव कराह रहा है। दरअसल, पर्यावरण के मानकों को ताक पर रखकर मुनाफा कमाने के लालच ने लाखों निर्दोष लोगों को प्रदूषण के जरिये मौत के मुंह में धकेल दिया है। ऐसा भी नहीं है कि सिर्फ कारखानों-फैक्ट्रियों से ही प्रदूषण पैदा हुआ है, वाहनों की बढ़ती होड़ भी इसमें बड़ा कारक बना है। संपन्नता के चलते एक घर में तीन-चार कार रखने वालों की भी इसमें भूमिका है। वाहनों का प्रदूषण भी मानव जीवन के लिये एक चुनौती बन गया है। सरकारें हैं कि सार्वजनिक परिवहन की गुणवत्ता सुधारने के लिये गंभीर प्रयास करती नजर नहीं आ रही हैं। प्रदूषण का संकट मानवता के लिये बड़ी चुनौती पैदा कर रहा है और देश व सरकारें गैरजरूरी मुद्दों में उलझी हुई हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध समेत दुनिया के अन्य युद्धों से पैदा होने वाला जहरीले बारूद का धुंआ भी इस संकट को और बढ़ा रहा है जिसके चलते वातावरण में जहरीली गैसों व रसायनों का घुलना बदस्तूर जारी है। उन लोगों के लिये यह संकट और बड़ा है जो इन उद्योगों में काम कर रहे हैं। लाखों लोग महज जहरीले रसायनों के संपर्क में आने से असमय मौत के मुंह में समा जाते हैं। सरकारों को स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को तरजीह देकर जहरीला धुआं उगलने वाले थर्मल पॉवर प्लांटों के विकल्पों के बारे में सोचना होगा।

आज के कार्टुन

योग

सद्गुरु/ योग इतना लोकप्रिय क्यों हो रहा है। इसके कई कारण हैं। एक तो यह कि इससे आप अपने बारे में बहुत सी मूल बातें जान जाते हैं। एक बार एक किंडरगार्टन स्कूल में एक शिक्षिका ने बच्चों से पूछा, 'मैं अपने सिर के बल खड़ी हो जाऊं तो आप देखेंगे कि मेरा चेहरा लाल हो जाएगा क्योंकि शरीर का खून मेरे सिर में आ जाएगा। पर जब मैं अपने पैरों पर खड़ी होती हूं तो ऐसा नहीं होता, बताओ क्यों?' एक छोटा बच्चा बोला, 'क्योंकि पैर खाली नहीं हैं।' आपका शरीर बैरोमीटर (हवा का दबाव मापने का यंत्र) जैसा है। अगर आप जानते हैं कि इसे कैसे देखना है तो ये आपको आपके बारे में सब कुछ बताएगा। आप अपने बारे में जो कल्पनाएं करते हैं, वह नहीं, आपके बारे में जो सच है वो। आपका मन अत्यंत धोखेबाज है। हर दिन आपको आपके बारे में कुछ नया बताता है। आप अपने शरीर को पढ़ना जानते हैं, पहचानते हैं, तो ये आपको वही बताएगा जो है, सच है, एक प्रकार से आपका भूतकाल, वर्तमान और भविष्य। यही कारण है कि मूल रूप से योग शरीर के साथ शुरू होता है। बहुत सी अन्य बातें बदलते फैशन के साथ आती हैं, और जाती हैं लेकिन योग हजारों वर्षो से वैसा ही रहा है और आज भी गति पकड़ रहा है। यद्यपि ये बहुत ही मौलिक ढंग से बताया, सिखाया जाता है और कई बार विकृत रूप से भी, पर ये फिर भी टिका हुआ है। योग ही ऐसी व्यवस्था है जो 15000 से भी ज्यादा वर्षो से, बिना किसी धर्मगुरु के आश्रय या किसी के द्वारा बलपूर्वक लागू किए बिना जीवित है, टिकी हुई है। मानवता के इतिहास में ऐसा कहीं भी, कभी भी नहीं हुआ है कि किसी ने किसी के गले पर तलवार रख कर कहा हो, 'तुमको योग करना ही पड़ेगा।' ये इसलिये टिका हुआ है क्योंकि योग खुशहाली लाने की प्रक्रिया की तरह काम करता है, और कुछ भी नहीं। दूसरी बात ये है कि सारी दुनिया में सामान्य रूप से लोग-छोटे, बड़े, जवान, बूढ़े सभी-इतने ज्यादा तनावग्रस्त हैं, जैसे पहले कभी नहीं थे। लोग चिंतातुर हैं और दिमागी रूप से परेशान भी। अपनी आंतरिक शांति को संभालने के लिए वे चाहे जो अन्य उपाय करें-डिस्को में जाएं या लंबी ड्राइव पर या फिर पहाड़ों पर चढ़ें, उनसे बस थोड़ा बहुत ही लाभ हुआ है पर समस्या का निदान नहीं मिला है। तो योग की ओर मुड़ना लोगों के लिए स्वाभाविक ही है।

गुजरात में नये राजनीतिक समीकरणों की दस्तक

अशोक उपाध्याय

गुजरात के युवा पाटीदार नेता हार्दिक पटेल ने कांग्रेस का दामन छोड़ दिया है। गुजरात के विधानसभा चुनाव होने में महज छह महीने बचे हैं, ऐसे में हार्दिक पटेल के गुजरात प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे देने से कांग्रेस की अंतर्कलह खुलकर सामने आ गयी है। हार्दिक पटेल ने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है और उनका नाम लिये बगैर उन पर निजी आक्षेप लगाये हैं। इसकी बड़ी वजह एक हो सकती है कि अब उन्हें आगे की राजनीति करने के लिये राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस की खिलाफत करनी पड़ेगी। पार्टी छोड़ने या बदलने के बाद हर नेता को अपने पुराने सिद्धांतों के साथ समझौता करना पड़ता है, यहां तक कि उसकी तिलांजलि भी देनी पड़ती है। पिछले कुछ महीनों से हार्दिक पटेल की कांग्रेस के गुजरात के नेताओं से खटपट चल रही थी और निमंत्रण भेजे जाने के बाद भी वह कांग्रेस के उदयपुर नव संकल्प शिविर में हिस्सा लेने नहीं गये। कुछ दिन पहले उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी नीतियों की जमकर सराहना की थी और कांग्रेस से जाते-जाते उन्होंने अपना मंतव्य यह कहकर और साफ कर दिया है कि चाहे अयोध्या में राम मंदिर हो, जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाना हो, जीएसटी लागू करना हो, भारत लंबे समय से इन मुद्दों का समाधान चाहता था लेकिन कांग्रेस ने एक अवरोधक की भूमिका निभाई है। कांग्रेस के लिये हार्दिक पटेल का पार्टी छोड़कर जाना निश्चित तौर पर बड़ा झटका है। उनके इस्तीफे से गुजरात में कांग्रेस की युवा टीम बिखर गई है। हार्दिक पटेल, अल्पेश ठाकोर और जिग्नेश मेवाणी के साथ मिलकर कांग्रेस पिछले विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कड़ी चुनौती देने में कामयाब रही थी और उसने भाजपा को सौ का आंकड़ा छूने से रोक दिया था। गुजरात विधानसभा की कुल 182 सीटों में भाजपा को 99 सीटें और कांग्रेस को 77 सीटें मिली थीं और सबने महसूस किया था कि कांग्रेस भाजपा को कांटे की टक्कर देने में कामयाब रही। विधानसभा चुनावों के बाद 2019 में हार्दिक पटेल कांग्रेस में शामिल हुए और उनके बढ़ते कद को ध्यान में रखते हुये सीधे पार्टी की प्रदेश इकाई का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर दिया था। पाटीदार आरक्षण आंदोलन से जन्मे इस युवा नेता के लिये राजनीति में यह लंबी छलांग थी। हार्दिक पटेल को एकाएक इतना बड़ा ओहदा दिये जाने से गुजरात के पुराने कांग्रेसी नेता अंदरखाने नाराज रहे और गांधी परिवार के करीबी अहमद पटेल तक इस निर्णय से खुश नहीं थे। उनके बेटे फैजल पटेल ने पिछले दिनों गांधी परिवार पर निशाना साधते हुये कहा था कि वह इंतजार करते-करते तंग आ गये हैं। लेकिन बदले हालात के बाद कांग्रेस हाईकमान से नाराज चल रहे प्रदेश के नेता अब पार्टी के नये ढांचे में अपनी जगह बनाने की कोशिश करेंगे। तमाम अवरोधों के बाद भी राहुल गांधी ने पिछले दिनों कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाले आदिवासी क्षेत्र दाहोद से आदिवासी सत्याग्रह की शुरुआत की और जनता से वडगाम के विधायक जिग्नेश मेवाणी से प्रेरणा लेने की अपील की थी। इस दौरे में एक और चौंकाने वाली बात यह देखने को मिली थी कि राहुल गांधी ने हार्दिक पटेल को झिड़क दिया था और उनसे अकेले में बातचीत करने के आग्रह को ठुकरा दिया था। दरअसल, हार्दिक ने जिस तरह पिछले दिनों पहली बार कांग्रेस हाईकमान की आलोचना की थी उससे राहुल गांधी नाराज थे और आदिवासी सत्याग्रह के दौरान हुई उपेक्षा से हार्दिक पटेल भी जान गये थे कि अब उनके लिये कांग्रेस में बने रहना मुनासिब नहीं है। हार्दिक पटेल के कांग्रेस छोड़ने से गुजरात की राजनीति में नये समीकरण बनना तय है। उनके बयानों को देखें और हाल की राजनीतिक गतिविधियों को देखें तो उनके भाजपा से नाता जोड़ने के संकेत मिलते हैं। नयी राजनीतिक उथल-पुथल के बाद कांग्रेस को फिर से गुजरात में संगठन को नया रूप देना होगा। गुजरात विधानसभा में उसके 77 विधायक हैं और उसके पास नये चुनावी गणित साधने के लिये बहुत कम समय बचा है और ऐसे में सबकी निगाहें कांग्रेस हाईकमान पर टिकी रहेंगी कि वह कितनी जल्दी गुजरात में पार्टी में बदलाव के काम को पूरा करती है। कांग्रेस के उदयपुर अधिवेशन ने पार्टी नेतृत्व को प्रदेश स्तर से जिला स्तर तक संगठन को मजबूत करने के लिये एक खाका तैयार करके दिया है, जिसमें चुनावी तैयारियों से लेकर संगठन में हर किसी से संवाद को सरल और सहज बनाने के उपाय सुझाये गये हैं। गुजरात को भाजपा का गढ़ माना जाता है और केशुभाई पटेल के बाद नरेंद्र मोदी की अगुआई में इस राज्य में पार्टी निरंतर मजबूत होती चली गई। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद विधानसभा चुनाव के लिहाज से उसकी स्थिति कुछ कमजोर हुई और 2017 के नतीजों पर गौर करने से इसकी पुष्टि हो जाती

है। एक पक्ष यह भी है कि पिछले दो लोकसभा चुनावों में भाजपा गुजरात की सारी 26 सीटें जीतने में कामयाब रही है। वहां पर नरेंद्र मोदी का करिश्मा बदस्तूर जारी है लेकिन विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी पूरी तरह सतर्क है। पिछले पांच राज्यों के चुनावों में मिली शानदार सफलता के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात दौरा किया और ताबड़तोड़ तीन रोड शो किये थे। अब किसी न किसी बहाने उनका अक्सर गुजरात जाने का कार्यक्रम बनने लगा है। पंजाब में कांग्रेस समेत सभी दलों का सूपड़ा साफ करने से उत्साहित आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल गुजरात का निरंतर दौरा कर रहे हैं और वहां पर पार्टी को मजबूत करने की कवायद में लगे हैं। अरविंद केजरीवाल की लोकलुभावन योजनाओं और वादों की राजनीति का असर दिल्ली के बाद पंजाब के चुनावों में देखने को मिला और अब जिस तरह से घर पर राशन पहुंचाने, मुफ्त बिजली, किसानों की समस्याओं का हल करने, नये रोजगार के सृजन के लिये किये गये वादों को पूरा करने के लिये पंजाब में सरकारी घोषणाएं हो रही हैं, उसका एक ही मकसद है कि आम आदमी पार्टी कथनी और करनी में अंतर के आरोप को अपने सिरे नहीं मढ़ने देना चाहती है। वह दिल्ली और पंजाब की मिसाल देकर गुजरात के अगले चुनाव में उतरने की तैयारी में जुटी है। पंजाब की पराजय से सबक लेते हुये खासतौर से कांग्रेस को भाजपा के साथ-साथ आम आदमी पार्टी से अपने संगठन को बचाये रखने के लिये पूरा जोर लगाना होगा।

लेखक यूनीवार्ता के संपादक रहे हैं।

जीवन पर भारी पड़ती राजस्व उगाही

दीपिका अरोड़ा

हाल ही में, 6 मई को हरियाणा सरकार ने 2022-23 के लिए नई आबकारी नीति को मंजूरी दी, जिसके अनुसार अंग्रेज़ी व देसी शराब के मूल्य घटाए गए हैं। मदिरा पर आयात शुल्क घटाकर मूल्य 7 रुपए प्रति बल्क लीटर (बी.एल.) से घटाकर 2 रुपये प्रति बल्क लीटर कर दिया गया है। राज्य में क्लब बार खोलने के लाइसेंस हेतु आवेदन कर सकने सहित, अतिरिक्त शुल्क देकर बार खुला रखने की निर्धारित अवधि में भी बढ़ोतरी करवा सकते हैं। एक ज़ोन में शराब-ठेकों की संख्या दो से बढ़ाकर चार कर दी गई है। भारतीय संविधान के अनुसार मद्यपान मौलिक अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत नहीं आता। राज्य बिक्री नियंत्रण संबंधी स्वैच्छिक अधिकार रखते हैं। संविधान की धारा 29 किसी भी लाइसेंसधारी विक्रेता को 25 साल से कम आयुवर्ग के व्यक्ति को शराब अथवा नशीली दवा बेचने अथवा वितरित करने से प्रतिबंधित करती थी। संशोधित कानून के अनुसार अब यह आयु सीमा 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष निर्धारित कर दी गई है। धारा 30 के प्रावधान के अनुसार विक्रेता द्वारा लाइसेंसधारक होने पर भी 25 वर्ष से कम आयुवर्ग के महिला-पुरुष को मदिरा अथवा नशीली दवा की बिक्री अथवा वितरण से संबद्ध नौकरी पर नहीं रखा जा सकता था। वर्तमान में संशोधित आयु सीमा घटाकर 21 वर्ष कर दी गई है। दिसंबर, 2021 को हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र में, प्रादेशिक आबकारी कानून, 1914 की कुल चार धाराओं को संशोधित किया गया था। राज्यपाल की स्वीकृति मिलने के बाद, 11 फरवरी से उक्त संशोधन के प्रांत सरकार गजट में प्रकाशित होने के उपरांत बदलाव प्रभावी हो गये हैं। आर्थिक लाभ के आधार पर आकलन करें तो शराब-बिक्री राजस्व उगाही का सबसे बड़ा स्रोत है। प्रतिवर्ष सरकार भारतीय अर्थव्यवस्था में खरबों रुपये का योगदान करती है। वर्ष 2000 में भारतीय राज्यों ने शराब-बिक्री द्वारा लगभग 1.75 ट्रिलियन रुपये कमाए। औसत भारतीय राज्यों ने शराब बिक्री द्वारा 15,000 करोड़ रुपये की राशि जुटाई। हालांकि सरकार का तर्क है कि दिल्ली में शराब सस्ती होने के कारण अवैध शराब की तस्करी बढ़ गई थी, जिससे हरियाणा सरकार को आर्थिक घाटा हो रहा था किंतु यहां प्रश्न यह उठता है कि आर्थिक भरपाई हेतु लोकहित को दांव पर लगा देना कितना तर्कसंगत है? लोकहित एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से विचार करें तो मद्यपान न केवल एक धीमा जहर है, जिसका शारीरिक व मानसिक अवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है अपितु नशे की लत निर्धनता के स्तर से ऊपर न उठ पाने का कारण भी बन जाती है। भारत में मद्यपान का बढ़ता प्रचलन गहन चिंता का विषय है। अल्कोहल का सेवन करने वाले अग्रणी देशों में बेलारूस का नाम शामिल है, वर्ष भर में औसतन एक व्यक्ति 17.5 लीटर शुद्ध अल्कोहल पी जाता है। भारत में यह आंकड़ा भले ही करीब 8.7 लीटर वार्षिक हो लेकिन सेवन-मात्रा अत्यधिक है। घरेलू प्रताड़ना, परिवार बिखरने, बढ़ते अपराधीकरण, विविध हिंसा प्रकरणों, दुर्घटनाओं आदि में मद्यपान मूल कारण रहा। साल 2012 में शराब पीने के उपरांत, वैश्विक स्तर पर हिंसा या दुर्घटना में 33 लाख लोगों की मृत्यु हुई, अर्थात प्रति 10 सेकेंड में एक मौत। साल 2016 के दौरान दुनिया में शराब के कारण 30 लाख लोगों की मौत हुई। भारत में यह आंकड़ा करीब 2.6 लाख रहा। बहुत अधिक मात्रा में निरंतर मद्यपान से निराशा भाव, चिड़चिड़ापन, क्रोध, एकाग्रिक अक्षमता जैसी समस्याएं पनपने लगती हैं। वेर्निके-कोर्साकॉफ सिंड्रोम, डिमेंशिया, ब्रेस्ट या आंत कैंसर जैसे रोगों सहित, यह अनेक आनुवंशिक बीमारियों का जनक भी है। जर्मनी में प्रतिवर्ष लीवर सिरोसिस से मरने वाले लोगों की संख्या हजारों में है। शराब के दुष्प्रभावों को देखते हुए महात्मा गांधी ने पराधीनता के युग में

घोषणा की थी, 'यदि भारत का शासन आधे घंटे के लिए मेरे हाथ में आ जाए तो मैं शराब की सभी डिस्टलरियों और दुकानों को बिना मुआवजा दिए ही बंद कर दूंगा।' विडंबना है कि आज स्वतंत्र भारत में सर्वाधिक राजस्व उगाही शराब बिक्री द्वारा ही संभव मानी जाती है। शायद यही कारण है कि पेट्रोल, डीजल, गैस सिलेंडर, खाद्य पदार्थों आदि मूलभूत उपभोक्ता वस्तुओं के अनियंत्रित दामों पर लगाम लगाने की अपेक्षा, शराब सस्ती करना अथवा सेवन अवधि बढ़ाना सरकारों को अधिक तर्कशील लगता है। यूं तो हमारे नेतागणों द्वारा आयोजित ज्यादातर सभाएं लोकहित को समर्पित एवं सामाजिक समस्या निराकरण पर ही केंद्रित होती हैं, किंतु यह बात समझ से परे है कि इस नई आबकारी नीति द्वारा कौन-सा लोकहित संभव होगा और किस सामाजिक समस्या का समाधान होगा? 'नशा उन्मूलन' के जोशीले नारों में, सुरापान को सर्वसुलभता प्रदान करना; यह बात कुछ हजम नहीं हुई।

सू-दोकू नवताल -2124

2	8				3			
4	7			8	6		9	1
		5		9		2	3	
	9		5	2		4	8	6
5								3
8	6	1		7	4		5	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

सू-दोकू -2123 का हल

1	8	5	3	2	7	4	9	6
2	9	7	5	6	4	3	8	1
6	3	4	9	8	1	2	7	5
5	4	1	6	9	3	8	2	7
3	2	6	1	7	8	5	4	9
8	7	9	2	4	5	6	1	3
9	5	3	8	1	2	7	6	4
4	1	8	7	3	6	9	5	2
7	6	2	4	5	9	1	3	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2124

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-3
3. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-3
6. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-3
7. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-4
9. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-3
11. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-3
13. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-2
15. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-3
17. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-3,3
18. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित 1974 की एक फिल्म-3
19. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-2
20. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-3
22. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-3
24. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-2
25. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-4
26. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-4
27. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-2
28. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-4

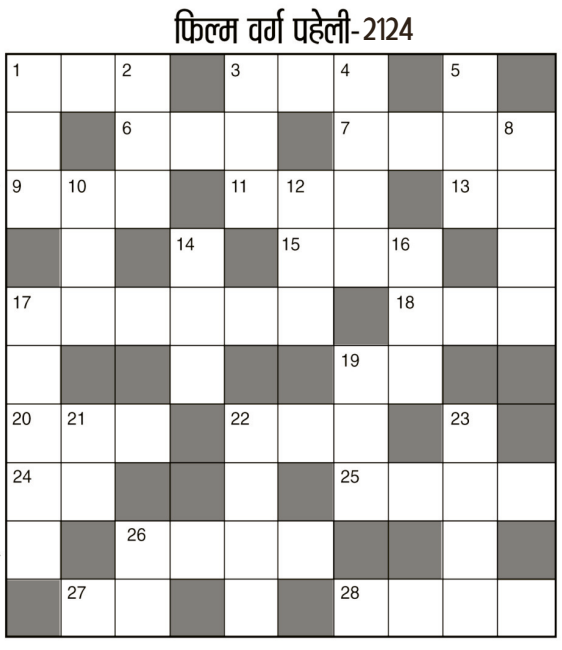

ऊपर से नीचे:-

1. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-3
2. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-3
3. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-3
4. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-4
5. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-3
8. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की 1992 की एक फिल्म-4
10. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-3
12. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-3
14. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-3
16. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-3
17. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-3,2
19. फिल्म 'बंदिवी' की नायिका कौन थी-3
21. अजय देवगन, ट्विंकल खन्न की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-2
22. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-4
23. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, खवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-4
26. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की 1986 की एक फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2123

प	र	दे	स		शा	ली	मा	र	
हे		व	र	दा	न		सु		ही
ली	ड	र		न		ओ	म	का	रा
	र		शि	व	रा	म		पों	
जु		दा	वा		ज		फ	रे	ब
बै	रा	ग		चा	ह	त		ट	
दा			शि		ठ		दा		अ
	स	त्य	का	म		श	मा		न
दौ	इ		र	जा	मु	रा	द		क
	क	र्ज		ल		बी		जू	ही

1. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-3
2. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-3
3. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-3
4. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-4
5. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-3
8. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की 1992 की एक फिल्म-4
10. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-3
12. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सियाम ने की सीएनजी कीमतों में कटौती व कच्चे माल पर आयात शुल्क घटाने की मांग

नई दिल्ली । वाहन कंपनियों के संगठन सियाम ने सीएनजी की कीमतों में कटौती करने और इस्पात एवं प्लास्टिक उत्पादों के कुछ कच्चे माल पर आयात शुल्क घटाने का सरकार से अनुरोध किया है। सियाम ने रविवार को ट्विटर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को टैग करते हुए कहा कि वाहन उद्योग पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाने के फैसले का स्वागत करता है। सियाम ने कहा कि इस फैसले से मुद्रास्फीति पैदा करने वाले दबावों में नरमी आएगी और आम आदमी को राहत मिलेगी। सियाम ने इसके साथ ही सरकार से सीएनजी की कीमतों में भी कटौती करने का अनुरोध करते हुए कहा कि सीएनजी के दाम कम होने से आम आदमी को राहत मिलेगी और सार्वजनिक परिवहन भी अधिक स्वच्छ ऊर्जा के साथ संभव हो पाएगा। संगठन ने सरकार से इस्पात एवं प्लास्टिक उत्पादों के कुछ कच्चे माल पर आयात शुल्क कम करने का भी अनुरोध किया। उसने कहा कि इससे घरेलू बाजार में इस्पात की कीमतों में नरमी लाने में मदद मिलेगी।

मुंबई के रियल एस्टेट बाजार में प्रे स्टिज ग्रुप की 7,500 करोड़ निवेश की योजना

मुंबई । मुंबई के रियल एस्टेट बाजार में प्रवेश करने के लिए प्रेस्टीज समूह ने अगले चार-पांच वर्षों में 7,500 करोड़ रुपए के निवेश की योजना बनाई है। प्रेस्टीज ग्रुप के एक अे धिकारी ने कहा कि दक्षिण भारतीय बाजार में करीब 250 परियोजनाओं को पूरा कर चुका उनका समूह मुंबई में आवासीय एवं वाणिज्यिक दोनों तरह की परियोजनाएं का विकास करने की रणनीति पर चलेगा। उन्होंने कहा कि समूह की मुंबई के अलग-अलग इलाकों में स्थित छह परियोजनाओं के तहत 1.6 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र के विकास का इरादा है। उन्होंने कहा कि कंपनी मुंबई के रियल एस्टेट बाजार में रुढ़िवादी तरीके से ही आगे बढ़ेगी और किसी तरह की जल्दबाजी नहीं दिखाएगी। उन्होंने बताया कि बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के अलावा महालक्ष्मी में वाणिज्यिक परियोजना का विकास किया जाएगा जबकि मुलुंड में 60 लाख वर्ग फुट क्षेत्र की एकीकृत परियोजना का विकास किया जाएगा। इनमें से कुछ परियोजनाएं पहले किसी कारण से अटक गई थीं लेकिन अब उन्हें पूरा किया जा रहा है। इसके अलावा कुछ परियोजनाएं दिवाला प्रक्रिया के तहत अधिग्रहीत की गई हैं। बताया जा रहा है कि विभिन्न परियोजनाओं के तहत कम-से-कम 7,500 करोड़ रुपए निवेश किए जाएंगे। इसमें से 4,500 करोड़ रुपए जमीन खरीदने और अटकी परियोजनाओं को लेने पर निवेश किए जा चुके हैं। परियोजनाओं के लिए बाकी संसाधनों का इंतजाम अंदरुनी स्रोतों के अलावा बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों से कर्ज लेकर किया जाएगा।

मासिक कर भुगतान फॉर्म में संशोधन कर सकती है जीएसटी परिषद

नई दिल्ली । जीएसटी परिषद की अगले महीने होने वाली वाली बैठक में संक्षिप्त रिटर्न और मासिक कर भुगतान फॉर्म जीएसटीआर-3बी में संशोधन पर विचार किया जा सकता है। एक अधिकारी ने कहा कि फर्जी इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) के दावों पर रोक और सही मामलों के तेजी से निपटान के लिए जीएसटीआर-3बी फॉर्म में बदलाव पर विचार किया जा रहा है। संशोधित फॉर्म करदाता को सकल इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी), किसी विशेष महीने में दावा की गई राशि और करदाता के बही-खाते में शेष बची राशि के संबंध में स्पष्टता प्रदान करेगा। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) मामलों पर निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय जीएसटी परिषद की बैठक अगले महीने होने की संभावना है। एक अधिकारी ने कहा कि संशोधित फॉर्म फर्जी आईटीसी दावों पर अंकुश लगाने और ईमानदार करदाता को तेजी से आईटीसी का लाभ उठाने में मददगार साबित होगा। जीएसटी परिषद की विधि समिति जीएसटीआर-3बी को सुव्यवस्थित करने पर विचार कर रही है ताकि आईटीसी के खुलासे पर और स्पष्टता आए। जीएसटीआर-3बी फॉर्म में संशोधन के मुद्दे को परिषद की अगली बैठक में रखे जाने की उम्मीद है। जीएसटीआर-3बी एक संक्षिप्त ब्योरा और मासिक जीएसटी भुगतान से संबंधित फॉर्म है। यह फॉर्म विभिन्न श्रेणी के करदाता महीने की 20, 22 और 24 तारीख को भरते हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार ने शुरुआत बढ़त खो दी। धातु कंपनियों के शेयरों में हुई बिकवाली से भी बाजार में यह गिरावट आई है। लौह अयस्क और कुछ इस्पात उत्पादों पर निर्यात शुल्क लगने के कारण ये बिकवाली हुई। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 37.78 अंक करीब 0.07 फीसदी नीचे आकर 54,288.61 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 51.45 अंक करीब 0.32 फीसदी नीचे आकर 16,214.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील के शेयरों में सबसे ज्यादा 12.53 फीसदी की गिरावट रही। इसके साथ ही अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी, पावर ग्रिड, एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी नीचे आये हैं। वहीं, दूसरी तरफ एमएंडएम, मारुति, हिंदुस्तान यूनिलीवर, लार्सन एंड टुब्रो, एशियन पेंट्स और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। इससे पहले शुक्रवार को बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की ऊपर आया है जबकि हांगकांग का हैंगसेंग नीचे आया है। वहीं यूरोपीय बाजार दोपहर के सत्र में लाभ में कारोबार कर रहे थे, जबकि अमेरिकी बाजार शुक्रवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए थे।

एलआईसी का शेयर आल टाइम लो 803.65 रुपये के स्तर को छू गया

इश्यू प्राइस से अभी तक 15 प्रतिशत गिर चुका

मुंबई । बड़ी धूमधाम से लांच हुए एलआईसी आईपीओ में बोली लगाने वाले निवेशकों को अब तक निराशा ही हाथ लगी है। अपनी लिस्टिंग के बाद से ही शेयर में गिरावट जारी है। रिटेल निवेशकों का भरोसा अब इस शेयर से उठने लगा है। इसकारण है कि सोमवार को एलआईसी का शेयर इंट्राडे में अपने ऑल टाइम लो 803.65 रुपये को छू गया। एलआईसी शेयर का सर्वकालिक उच्चतम स्तर 918.95 रुपये है। एलआईसी के आईपीओ को लेकर निवेशकों में जबरदस्त उत्साह था। निवेशकों ने कंपनी के शेयर 949 रुपये के अपर बैंड पर खरीदे थे। इस तरह इश्यू प्राइस से यह शेयर अब तक यह शेयर 15 फीसदी गिर चुका है।वहीं लिस्टिंग प्राइस से इस शेयर में एनएसई पर अब तक करीब 8 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। एलआईसी शेयर ने अपने लिस्टिंग दिन ही 918.95 रुपये के उच्च स्तर को छूआ था। उसके बाद यह शेयर दोबारा इस स्तर तक नहीं पहुंच है। लिस्टिंग के अगले दिन यानी 18 मई को इस एलआईसी शेयर में मामूली बढ़ोतरी हुई और यह 876.35 रुपये पर बंद हुआ था। लेकिन, यह मामूली तेजी भी बरकरार न रही और 19 मई को इस शेयर में अच्छी-खासी गिरावट आई और यह 840.85 रुपये पर बंद हुआ। अगले दिन 20 मई को एलआईसी का शेयर करीब 14.50 रुपये टूटकर 826.15 रुपये पर बंद हुआ।

स्टील पर एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाने से स्टील कंपनियों के शेयर गिरे, टाटा स्टील में 14 गिरावट

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में सोमवार को तेजी के बीच स्टील कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। सरकार ने स्टील पर एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाने का फैसला किया है। अभी तक भारतीय स्टील के निर्यात पर जीरो ड्यूटी लगती थी। इस पर सरकार ने 15 फीसदी की एक्सपोर्ट ड्यूटी लगा दी है। सरकार के इस कदम से भारतीय स्टील के दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार में 15 फीसदी बढ़ जाएंगे। इससे स्टील कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई। टाटा ग्रुप की दिग्गज कंपनी टाटा स्टील के शेयरों में 14 फीसदी तक गिरावट आई। शुरुआती कारोबार में कंपनी का शेयर 14 फीसदी गिरावट के साथ 1007.30 पर आ गया। दोपहर बाद दो बजे टाटा स्टील का शेयर बीएसई पर 12.31 फीसदी गिरावट के साथ 1026.20 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। जिंदल स्टील एंड पावर का शेयर भी 13 फीसदी से अधिक गिरावट के साथ 478.90 रुपए पर आ गया। सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी स्टील कंपनी सेल का शेयर भी 13 फीसदी गिर गया जबकि जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में 11 फीसदी गिरावट आई। गोदावरी पावर एंड इस्पात (का शेयर 20 फीसदी का लोअर सर्किट छूकर 311.70 फीसदी पर आ गया। सरकार ने स्टील बनाने में काम आने वाले लौह अयस्क और पेलेट्स जैसे कच्चे माल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाने की घोषणा की। सभी तरह के लौह अयस्क पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 30 फीसदी से बढ़कर 50 फीसदी कर दी गई है। इसी तरह हॉट-रोल्ड और कोल्ड-रोल्ड स्टील प्रॉडक्ट्स पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 15 फीसदी कर दी गई है जबकि पहले इस पर कोई ड्यूटी नहीं थी। दूसरी ओर सरकार ने पीएसआई, मेट कोल और कोकिंग कोल जैसे कच्चे माल पर आयात शुल्क में कटौती की है। रिलायंस सिक्योरिटीज के एनालिस्ट कुणाल मोतीशा ने कहा कि स्टील पर एक्सपोर्ट ड्यूटी लगने से घरेलू बाजार में सप्लाई बढ़ेगी और कीमतों में गिरावट आएगी। ब्रोकरेज फर्म एडलवाइस ने कहा कि सरकार के इस फैसले से स्टील सेक्टर पर निगेटिव असर होगा। इसके कंपनियों के कैपेक्स प्लान प्रभावित हो सकते हैं। सीएलएसए ने स्टील शेयरों के अनुमान को घटा दिया है। ग्लोबल ब्रोकरेज ने टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील और जेएसपीएल के शेयरों की रेटिंग को डाउनग्रेड कर दिया है। भारत में फाइनेंशियल ईयर 2022 में 1.35 करोड़ टन फिनिश्ड स्टील का निर्यात किया, जबकि वित्त वर्ष 1.08 करोड़ टन स्टील का एक्सपोर्ट किया था। इस दौरान घरेलू स्टील की खपत 10.6 करोड़ टन रही जबकि पिछले साल यह 9.4 करोड़ टन थी। वित्त वर्ष 2022 में देश से 1.53 करोड़ टन आयरन ओर का निर्यात हुआ 1.1 करोड़ टन आयरन ओर पेलेट्स को एक्सपोर्ट किया गया।

भारत बड़े सुधार जारी रखने के लिए प्रतिबद्धः कांत

दावोस ।

नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने कहा कि भारत डिजिटल क्षेत्र में बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है और एक मजबूत राजनीतिक नेतृत्व के साथ बड़े सुधारों को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध रहने की जरुरत है। उन्होंने विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक 2023 के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था को दिशा देने में अहम भूमिका निभाएगा। कांत ने कहा कि हाल के वर्षों में भारत ने कई बड़े सुधार किए गए हैं, जिन्होंने भारत की वृद्धि को मजबूती दी। उद्योग निकाय सीआईआई और इंडियास्पोरा द्वारा आयोजित सत्र में उन्होंने कहा कि भारत में स्टार्टअप की संख्या दो अंकों से बढ़कर अब 10 हजार से अधिक हो गई है।उन्होंने वैश्विक निवेशकों से भारत की वृद्धि गाथा में शामिल होने का आह्वान किया।

सोने और चांदी की कीमत में शानदार तेजी

नई दिल्ली ।

सोने के निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। हफ्ते के पहले दिन सोने और चांदी की कीमत में शानदार तेजी आई है। एमसीएक्स पर जून डिलिवरी वाला सोना सोमवार को 68 रुपये तेजी के साथ खुला और दिन चढ़ने के साथ इसमें तेजी आई। दोपहर बाद पौने तीन बजे यह 260 रुपये की तेजी के साथ 51089.00 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड कर रहा था। यह इसका एक हफ्ते का उच्चतम स्तर है। पिछले सत्र में यह 50829,00 रुपये के भाव पर बंद हुआ था और आज 50897.00 रुपये पर खुला। सुबह के सत्र में इसने 50897.00 का न्यूनतम और 51124.00 रुपये का उच्चतम स्तर छुआ। चांदी भी 753 रुपये की तेजी के साथ 62160.00 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड कर रही थी। जानकारों का कहना है कि सोने का रेट 50 से 52 हजार रुपये के बीच हो, तब जूलरी खरीद लेनी चाहिए। अब इंतजार करना ठीक नहीं होगा। आने वाले दिनों में बाजार में जूलरी की कमी भी महसूस हो सकती है। बहुत से सुनारों ने सोने का भाव ऊंचा होने की वजह से स्टॉक भी रोक रखा था। गोल्ड का रेट 50 हजार रुपये के आसपास रहेगा, तब सभी अपने स्टॉक को भरने वाले हैं, रेट घटेगा, तब माल बिकेगा। इससे जूलरी लाइन में बूम आएगा। जिनके घरों में शादी-ब्याह हुए, उन्होंने सोने-चांदी के आभूषण खरीदे। अब उन लोगों को भी खरीदारी कर लेनी चाहिए, जिनके यहां अगले 3-4 महीनों में कार्यक्रम होने हैं। ब्याज दर बढ़ने से सोना टूटा है। पिछले कारोबारी हफ्ते में सोने के भाव में 1000 रुपये प्रति 10 ग्राम से ज्यादा और चांदी में 2000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है। हाल में फेडरेल रिजर्व, बैंक ऑफ इंग्लैंड और आरबीआई की ओर से ब्याज दर में इजाफा किया गया। यह ग्राहकों के लिए स्वर्णिम अवसर है। अब सोने का भाव नीचे आया है, तब लोग खरीदारी के साथ इन्वेस्टमेंट भी कर रहे हैं। शादी-ब्याह के लिए शॉपिंग जारी है। हर कोई लाभ लेना चाहता है। आने वाले दिनों में सोने के भाव में थोड़ी गिरावट आ सकती है। उम्मीद है कि 48 से 50 हजार रुपये तौला भी सोना पहुंच जाए। अब जूलर्स भी दीपावली की खरीदारी शुरू करे। दुकानदार सैंपलिंग करने वाले हैं। कंपनियों के ऑर्डर उठाएंगे, जिसे दीपावली तक डिलीवर करना होगा। अब कोरोना संक्रमण कमजोर हो गया है। मार्केट में कोरोना का भय भी नहीं है। शादी-ब्याह में पूरी भीड़ जुट रही है। गिफ्ट देने का चलन लौटा है। सोने-चांदी के गिफ्ट आइटम्स की सेल बढ़ी है। फंक्शन में शामिल होने वालों की संख्या बढ़ी है। लोग भी कार्यक्रमों में नई जूलरी पहनकर जाना पसंद कर रहे हैं। इससे जूलर्स का बिजनेस उठा है।

भारत हरितऊर्जा के लिए अधिक जागरूकः पुरी

दावोस । केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि भारत दुनिया के किसी भी देश की तुलना में हरित ऊर्जा के लिए अधिक जागरूक है। उन्होंने विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक 2022 के मौके पर आयोजित एक सत्र में कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन, जैव ईंधन सम्मिश्रण और वैकल्पिक स्रोतों से जैव ईंधन की खोज और उत्पादन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पुरी ने कहा कि भारत ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में अग्रणी बनने को तैयार है। उन्होंने कहा कि 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य को 2030 से घटाकर 2025 तक कर दिया गया है और इसे निश्चित रूप से हासिल किया जाएगा। उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार के दौरान 2014 के बाद हुए विभिन्न बड़े बदलावों की चर्चा भी की।

पांच महीने में कपास की कीमत 53 फीसदी बढ़ी

दक्षिण भारत की छोटी स्पिनिंग मिलों ने खरीद बंद करने का लिया फैसला

नई दिल्ली ।

कपास की कीमत में भी जोरदार इजाफा हो गया है जिसकी वजह से दे क्षिण भारत की छोटी स्पिनिंग मिलें इसको खरीदने से कतरा रही है। दक्षिण भारत के एक स्पिनर एसोसिएशन का कहना है कि कपास की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि के कारण छोटी स्पिनिंग मिलों ने खरीद बंद करने का फैसला किया है। साउथ इंडिया स्पिनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष जे सेलवन ने कहा कि पिछले 5 महीने में कपास की कीमत प्रति कैंडी 53 फीसदी बढ़कर 1.15 लाख रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि कीमत बढ़ने का मुख्य कारण इस साल कपास का कम उत्पादन है। इस बीच यार्न की कीमत जनवरी में जहां 328 रुपये प्रति किलोग्राम थी। वह 21 मई को बढ़कर 399 रुपये पर पहुंच गई। सेलवन ने कहा कि दाम बढ़ने से मिलों को 50-60 रुपये प्रति किलोग्राम का नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने देश में कपास पैदावार पर सटीक आंकड़े मौजूद नहीं होने का हवाला देते हुए कहा कि बड़े व्यापारियों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने कपास के मौसम की शुरुआत में बड़ी मात्रा में कच्चे माल खरीदकर उसका भंडारण कर लिया था। हालांकि, कुछ मात्रा में कपास का निर्यात किया गया, लेकिन कीमतों में भारी वृद्धि के कारण हमारे सदस्य वर्किंग कैपिटल की कमी के कारण इसे नहीं खरीद पा रहे हैं। केंद्रीय कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल ने एक बैठक में कपास और धागे की कीमतों में आए असाधारण उछाल पर विचार-विमर्श किया था। उन्होंने कहा था कि कपास को लेकर ऐसी स्थिति नहीं बननी चाहिए कि सरकार को इसमें हस्तक्षेप करना पड़े। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि केवल सरप्लस कपास का निर्यात किया जाए। खासकर छोटी मिलों का कहना था कि कपास की कीमतें एक वर्ष में दोगुने से अधिक हो गई हैं। टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने कपास और धागे के एक्सपोर्ट पर एक अल्पकालिक पाबंदी, कपास को आवश्यक वस्तु की श्रेणी में रखने और कमोडिटी एक्सचेंजों में इसके कारोबार को हटाने का अनुरोध किया था।

भीषण गर्मी में मांग बढ़ने से फ्रिज व एसी की बिक्री 100 फीसदी बढ़ी

पंखों की बिक्री दोगुना और कूलर की बिक्री 2.5 गुना अधिक रही

नई दिल्ली ।

देश के ज्यादातर हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, कूलर और पंखों की मांग बढ़ गई है। जिससे इनकी बिक्री दोगुना हो गई है। टाटा समूह के उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के एक खुदरा विक्रेता की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। एक रिपोर्ट में बताया गया कि 2021 की तुलना में इस बार रेफ्रिजरेटर की बिक्री सौ प्रतिशत से अधिक बढ़ी है। वहीं, एसी भी तीन गुना ज्यादा बिके हैं। कूलर की बिक्री 2.5 गुना अधिक रही और इनकी सर्वाधिक बिक्री पुणे में हुई है। पंखों की बिक्री भी दोगुनी रही और हर पांच में से एक ग्राहक बेंगलुरु से था। हैदराबाद, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु में बिके कुल एसी में सर्वाधिक संख्या बिजली की कम खपत करने वाले 5-स्टार एसी की थी। जबकि मुंबई, अहमदाबाद, सूरत, चेन्नई, वडोदरा और इंदौर मे 50 फीसदी से अधिक खरीदारों ने 3-स्टार एसी खरीदे। रिपोर्ट में बताया गया कि मुंबई, ठाणे, पुणे और कोलकाता में बिकने वाले ज्यादातर एसी एक टन के थे। उत्तर और मध्य भारत में 1.5 टन के एसी ज्यादा खरीदे गए और इस क्षमता के एसी की संख्या कुल बिक्री में 60 फीसदी रही। पोर्टेबल एसी में से 50 फीसदी केवल मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में खरीदे गए। वहीं, 62 फीसदी हॉट ऐंड कोल्ड एसी दिल्ली-एनसीआर में इन गर्मियों में खरीदे गए। रिपोर्ट के अनुसार, कूलिंग प्रोडक्ट्स के अलावा माइक्रोवेव की बिक्री में भी पिछले साल के मुकाबले 80 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। साथ ही पुरुषों के ग्रूमिंग व शेविंग प्रोडक्ट्स की बिक्री भी 63 फीसदी बढ़ी है। इसके अलावा ट्रेवल बैट्रीज और चार्जर्स की सेल दोगुने से अधिक बढ़ी है। बड़े स्क्रीन वाली टीवी की बिक्री 200 फीसदी से अधिक बढ़ी है।

केंद्र सरकार की घोषणा के बाद केरल, राजस्थान और ओडिशा ने भी वैट में की कटौती

अन्य राज्य सरकारें भी यथासंभव कटौती की कर सकती है घोषणा

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में भारी कटौती कर महंगाई से लोगों को तत्काल कुछ राहत दे दी है। इस कटौती के बाद दिल्ली में पेट्रोल और डीजल की कीमतें क्रमशः 9.5 रुपये और 7 रुपये प्रति लीटर कम हो गई हैं। केंद्र सरकार की घोषणा के बाद केरल, राजस्थान और ओडिशा जैसे कुछ राज्यों ने अपने स्तर पर भी वैट में कटौती की घोषणा की। उम्मीद की जा रही है कि अन्य राज्य सरकारें भी यथासंभव कटौती की घोषणा करेंगी जिससे पेट्रोल और डीजल मूल्यों में आई कमी से आम तौर पर भी महंगाई का ताप कुछ कम होगा। गौरतलब है कि सरकार ने पेट्रोल डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने के साथ ही करीब 9 करोड़ गरीब परिवारों को एलपीजी गैस सिलिंडर पर 200 रुपये प्रति सिलिंडर की सबसिडी देने, प्लास्टिक प्रॉडक्ट्स, आयरन और स्टील पर कस्टम ड्यूटी कम करने तथा पर्याप्त मात्रा में सीमेंट की उपलब्धता सुनिश्चित करने का भी एलान किया है। कोरोना महामारी के असर से दुनिया पूरी तरह निकली भी नहीं थी कि यूक्रेन युद्ध शुरू हो गया। इस वजह से न केवल खाद्यान्न समेत कई जरूरी वस्तुओं की कमी पड़ गई बल्कि ग्लोबल सप्लाई चेन भी बाधित हुआ। नतीजा यह कि दुनिया के तमाम देश महंगाई में अप्रत्याशित बढ़ोतरी समेत कई तरह की आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। मगर ये स्पष्टीकरण सच होते हुए भी देश के अंदर हालात को संभालने में कोई मदद नहीं करते। पिछले दो वर्षों से तमाम चुनौतियों से पार पाते हुए जो भारतीय अर्थव्यवस्था दोबारा खड़ी हो रही है, उसके लिए भी महंगाई की यह लहर मारक साबित हो सकती थी। यह न केवल आम मध्यमवर्गीय परिवारों की बचत नष्ट कर रही थी बल्कि मांग की कमी की समस्या को और गंभीर रूप दे रही थी। लिहाजा सरकार इसकी अनदेखी नहीं कर सकती थी। उम्मीद की जा रही है कि सरकार के ताजा कदमों से महंगाई पर कुछ लगाम जरूर लगेगी।

हालांकि इसी का दूसरा पहलू यह भी है कि सरकार के इन फैसलों से राजकोष पर करीब 1.5 लाख करोड़ रुपयों का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। लेकिन विशेषज्ञों के मुताबिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर राजस्व वसूली में आए उछाल की बदौलत सरकार के लिए इस अतिरिक्त बोझ को संभालना ज्यादा मुश्किल नहीं होगा।

भारत-अमेरिका के बीच अवसरों की राह खोलेगी डिजिटल अर्थव्यवस्थाः यूएसआईबीसी

वाशिंगटन ।

अमेरिका-भारत व्यापार परिषद (यूएसआईबीसी) ने डिजिटल अर्थव्यवस्था को हर तरह से फायदेमंद बताते हुए कहा कि अमेरिका और भारत में इस प्रमुख क्षेत्र की लगातार वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए अवसंरचना, विनियमन और कानूनी ढांचे को मजबूत करना जरूरी है। यूएसआईबीसी के एक अे धिकारी ने इंडिया फाउंडेशन द्वारा कॉमर्स एंड इंडस्ट्री 2.0 पैनल के तहत रविवार को बेंगलुरु में आयोजित 7वें इंडिया आइडियाज कॉन्क्लेव में भारत की प्रभावशाली वृद्धि, सरकारी नेतृत्व में डिजिटलीकरण की सफलता और अर्थव्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि डिजिटल अर्थव्यवस्था व्यापार से हमारे दोनों देशों के बीच कई लाभ मिलते हैं।

मेरी आपसे अपील है कि हम अवसंरचना, विनियमन और कानूनी ढांचे को मजबूत करें, ताकि लगातार वृद्धि संभव हो सके। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका में डिजिटल अर्थव्यवस्था की लगातार वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए ऐसा करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत में एक व्यापक क्रांति हो रही है, और इसका भारत, अमेरिका और पूरी दुनिया पर व्यापक रूप से सकारात्मक असर होगा।

आईपीएल के पहले क्वालिफायर में आज

आमने-सामने होंगी गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स

कोलकाता (एजेंसी)।

गुजरात टाइटंस की टीम आईपीएल के 15 वें सत्र के पहले क्वालिफायर को मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स का सामना करेगी। दोनो ही टीम इस मैच में जीत के साथ ही खिताबी मुकाबले में जगह बनाने उतरेंगी। कप्तान हार्दिक पंड्या की गुजरात ने अब तक 14 लीग मुकाबले में से 10 जीतने के साथ ही 20 अंक हासिल किये हैं और वह अंक तालिका मे शीर्ष पर है जबकि संजू सैमसन की कप्तानी में उतर रही राजस्थान ने भी 9 मुकाबले जीते हैं और उसके 18 अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है। इस प्रकार देखा जाये तो दोनो ही टीमें जीत की प्रबल दावेदार हैं। गुजरात ने लीग स्तर पर एक मैच में राजस्थान को हराया था ,ऐसे में उसे मनोवेज्ञानिक बढ़त मिली हुई है।

गुजरात की बल्लेबाजी पंड्या , डेविड मिलर , शुभमन गिल और राहुल तेवतिया जैसे बल्लेबाजों पर आधारित है। हार्दिक और शुभमन दोनों ने अब तक इस सत्र में 400 से अधिक रन बनाए हैं। शुभमन अंतिम 2 मैच में रन नहीं बना पाये हैं , ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में लंबी पारी खेलना रहेगा। इसके अलावा मिलर ने भी 54 की औसत से 381 रन बनाये हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा ने 9 मैच में 3 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं निचले क्रम पर राहुल तेवतिया और राशिद खान किसी भी गेंदबाज के खिलाफ रन बनाने में माहिर हैं। तेवतिया और राशिद के स्ट्राइक रेट 148 हैं जिससे यह बेहतर फिनिशर के तौर पर उभरे हैं। राशिद ने बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी नाम के अनुरुप प्रदर्शन करते हुए टीम की ओर से अब तक सबसे ज्यादा 18 विकेट लिए हैं। उनका इकोनॉमी रेट 7 से भी कम है। गेंदबाजी की बात करें तो टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, लॉकी फर्ग्युसन और यश दयाल हैं। शमी नई गेंद से विरोध बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में सफल रहे हैं। जरुरत पड़ने पर कप्तान पंड्या भी गेंदबाजी कर सकते हैं। अब देखना है कि राजस्थान के बल्लेबाज इनका कैसे सामना करते हैं।

वहीं दूसरी ओर राजस्थान की बल्लेबाजी और गेंदबाजी भी अच्छी है। टीम की सबसे ज्यादा उम्मीदें इस सत्र मे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले जोस बटलर पर टिकी रहेंगी। बटलर ने अब तक 3 शतक और 3 अर्धशतक के साथ ही 629 रन बनाये हैं पर वह अंतिम 3 मैच में अधिक रन नहीं बना पाये हैं जिससे टीम की परेशानी बढ़ी है। बटलर ने जब-जब रन बनाये हैं टीम जीती है। कप्तान संजू सैमसन और देवदत्त पडिक्कल ने भी 300 से अधिक रन बनाये हैं। इसके अलावा यशस्वी जायसवाल के साथ ही ऑलराउंडर शिमरोन हेटमायर भी तेजी से रन बना सकते हैं। गेंदबाजी की बात करें तो टीम के पास

इस सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने बनाने वाले स्पिनर यजुवेन्द्र चहल हैं जिनका सामना करना गुजरात के लिए आसान नहीं रहेगा। इसके अलावा टीम के पास अनुभवी स्पिन आर अश्विन हैं। तेज तेज गेंदबाज के तौर पर टीम के पास प्रसिद्ध कृष्णा , ट्रेंट बोल्ट हैं। इन दोनो ही गेंदबाजों ने प्रभाव प्रदर्शन करते हुए विरोधी टीम को कोई अवसर नहीं दिया है।

ज्योति याराजी ने ब्रिटेन में 100 मीटर बाधा दौड़ का अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत की ज्योति याराजी ने ब्रिटेन में लोगबोरो में अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स मीट में खिताब के दौरान दो हफ्ते से कम समय में दूसरी बार महिला 100 मीटर बाधा दौड़ का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। आंध्र प्रदेश की 22 साल की ज्योति ने रविवार को 13.11 सेकेंड के समय के साथ 13.23 सेकेंड के अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तो सुधार किया जो उन्होंने 10 मई को लिमासोल में साइप्रस अंतरराष्ट्रीय मीट के दौरान बनाया था।

भुवनेश्वर में जोसेफ हिलियर के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग करने वाली ज्योति ने अनुराधा बिस्वाल के 13.38 सेकेंड के रिकॉर्ड को तोड़ा था जो 2002 में बना था। ज्योति ने पिछले महीने कोझिकोड में फेडरेशन कप में भी 13.09 सेकेंड का समय लिया था लेकिन तब हवा समय रिकॉर्ड करने के लिए वैध सीमा से अधिक तेज चल रही थी इसलिए उनका समय रिकॉर्ड नहीं किया गया और इसे राष्ट्रीय रिकॉर्ड नहीं माना गया। उस समय हवा की गति प्लस 2.1 मीटर प्रति सेकेंड थी जो प्लस दो मीटर प्रति सेकेंड की स्वीकृत सीमा से अधिक थी।

ज्योति ने 2020 में भी कर्नाटक के मूदबिदरी में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में बिस्वाल के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 13.03 सेकेंड का समय लिया था लेकिन तब भी इसे राष्ट्रीय रिकॉर्ड नहीं माना गया क्योंकि प्रतियोगिता के दौरान राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी ने उनका परीक्षण नहीं किया और साथ ही वहां भारतीय एथलेटिक्स महासंघ का तकनीकी प्रतिनिधि भी मौजूद नहीं था। ज्योति के पिता सूर्यनारायण निजी सुरक्षा गार्ड हैं जबकि उनकी मां कुमारी लोगों के घरेलू कार्य करती हैं। ओडिशा एथलेटिक्स हाई परफोर्मेंस केंद्र के एक अन्य प्रशिक्षु अमलान बोरगोहेन 200 मीटर दौड़ में 21.27 सेकेंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे। अन्य नतीजों में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक सिद्धांत थिंगाल्या 110 मीटर बाधा दौड़ में 13.97 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे। राष्ट्रीय स्तर के तैराक से बाधा दौड़ के धावक बने ग्रेससन अमलदास ने जूनियर पुरुष 110 मीटर बाधा दौड़ गेस्ट दौड़ में 13.91 सेकेंड के समय के साथ खिताब जीता।

बारिश बनी बाधा तो सुपर ओवर से तय होगा विजेता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल के 15 वें सत्र में होने वाले प्लेऑफ मुकाबलों में अगर बारिश की बाधा के कारण तय समय में खेल नहीं होता है तो विजेता टीम का निर्णय सुपर ओवर से होगा क्योंकि इसमें कोई रिजर्व दिन नहीं रखा गया है। आईपीएल के दिशानिर्देशों के अनुसार अगर एक भी ओवर फेंका नहीं जा सके तो लीग की तालिका में स्थिति के आधार पर ही विजेता का फैसला होगा। यह नियम क्वालीफायर एक, एलिमिनेटर, क्वालीफायर दो पर भी लागू होंगे। वहीं खिताबी मुकाबले के लिए 30 मई का दिन रिजर्व रखा गया है। यह मुकाबला रात आठ बजे से खेल जाएगा।

आईपीएल के प्ले ऑफ मुकाबलों की शुरुआत कोलकाता में और वहां खराब मौसम के कारण सुपर ओवर का तरीका अपना जा सकता है। इसी को देखते हुए आईपीएल ने ये दिशानिर्देश जारी किए हैं। दिशानिर्देशों के अनुसार, ''प्रत्येक प्ले ऑ मैच में जरूरत पड़ने पर मैच के ओवरों की संख्या को प्रत्येक टीम के लिए कम से कम पांच ओवर की बल्लेबाजी तक कम किया जा सकता है।'' साथ ही कहा गया, ''एलिमिनेटर और प्रत्येक क्वालीफायर में, अगर अतिरिक्त समय के बाद भी पांच ओवर का खेल पूरा नहीं हो पाता ओर अगर हालात साथ देते हैं तो संबंधित एलिमिनेटर या क्वालीफायर मुकाबले के विजेता का फैसला सुपर ओवर के जरिए होगा।''

कोई संदेह नहीं, पंत कप्तानी के लिये सही विकल्प हैं: पोंटिंग

मुंबई (एजेंसी)।

दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने ऋषभ पंत के टीम की अगुआई जारी रखने का समर्थन करते हुए कहा कि यह विकेटकीपर बल्लेबाज अभी काफी युवा है और कप्तानी के गुर सीख रहा है जिससे वह इस पद के लिये सही विकल्प बना रहेगा।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15वें चरण में इस युवा ने मैदान पर कुछ ऐसे फैसले किये जिससे पूरे सत्र में उनकी आलोचना होती रही। शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के सामने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 'करो या मरो' का मुकाबला था लेकिन रणनीतिक चूक का टीम को खामियाजा भुगतना पड़ा जिससे वह प्लेऑफ में जगह बनाने में असफल रही। मुंबई इंडियंस की टीम 14.3 ओवर में तीन विकेट पर 95 रन के स्कोर पर थी लेकिन पंत ने एक रणनीतिक गलती कर दी और टिम डेविड के अपनी पारी की पहली गेंद पर बल्ला छुआने के लिये डीआरएस लेने से इनकार कर दिया और मैदानी अंपायर ने उन्हें आउट करार नहीं दिया।

डेविड ने फिर महज 11 गेंद में चार छक्के

और दो चौके से 34 रन जड़ दिये जिससे मैच दिल्ली कैपिटल्स के हाथों से निकल गया। दिल्ली कैपिटल्स को मुंबई इंडियंस से पांच विकेट से हार मिली जिसके बाद पोंटिंग ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''निश्चित रूप से, मेरे दिमाग में कोई संशय नहीं है कि ऋषभ कप्तानी के लिये सही पसंद हैं, यहां तक कि पिछले सत्र में भी कोई संशय नहीं था। ऋषभ ने श्रेयस (अय्यर) के चोटिल (कंधे में चोट) होने के बाद कप्तानी संभालने के बाद टीम के साथ शानदार काम किया है।'' पोंटिंग ने कहा कि वह मैच को हाथों से निकलते हुए देखकर काफी निराश थे लेकिन उन्होंने पंत को हार के लिये जिम्मेदार नहीं ठहराया। उन्होंने कहा, ''वह (पंत) युवा खिलाड़ी है और कप्तानी की बारीकियां सीख रहा है। टी20 टीम का कप्तान होना कोई आसान काम नहीं है, विशेषकर आईपीएल में जो इतना दबाव भरा टूर्नामेंट है और इसमें आप जो भी करते हो, उस प्रत्येक चीज पर गहरी नजर रखी जाती है। उसे निश्चित रूप से मेरा पूरा समर्थन प्राप्त है।'' पोंटिंग ने साथ ही कहा, ''खेल के एक पहलू पर उंगली उठाना हमेशा मुश्किल होता है। हमारी बल्लेबाजी में शीर्ष क्रम का प्रदर्शन बहुत खराब था, हमने 40 रन पर चार विकेट गंवा दिये थे जो टी20 मैच शुरू करने का आदर्श तरीका नहीं है, विशेषकर बड़े मैचों में जिसमें आपको जीत दर्ज करनी ही हो।

थॉमस कप विजेता बैडमिंटन टीम को एक करोड़ की इनाम राशि मिली

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने पहली बार थॉमस कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम को एक एक करोड़ रुपये की इनामी राशि प्रदान की। वहीं सहयोगी स्टाफ को 20 लाख रुपये दिये गये। यह पुरस्कार राशि एक समारोह में दी गयी। इस अवसर पर बीएआई अध्यक्ष हिमांत बिस्व सरमा ने भारतीय टीम को उसकी एतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी। इस कार्यक्रम में बीएआई महासचिव संजय मिश्रा के साथ ही मुख्य राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद और बीएआई के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

ओलंपिक ट्रायल के बाद अपनी कमजोरियों पर काम किया: निकहत

नयी दिल्ली। विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली मुक्केबाज निकहत जरीन का मानना है , 'जो भी होता है, अच्छे के लिए होता है'। तीन साल पहले तत्कालीन खेल मंत्री किरेन रीजीजू से ओलंपिक के लिए चयन ट्रायल की मांग करने वाली निकहत ने कहा कि इस घटना के बाद घर में रहने से उन्हें निराशा से उबरने में मदद मिली। निकहत की मांग के बाद भारतीय मुक्केबाजी संघ ने 2019 में दिग्गज मैरीकोम के खिलाफ चयन ट्रायल का आयोजन किया था जिसमें उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा था। विश्व चैम्पियनशिप में 52 क्रिग्रा में खिताब जीतने वाली निकहत ने उस घटना को याद करते हुए कहा, '' उस ट्रायल के बाद मैं मानसिक शांति के लिए घर चली गयी। फिर कोविड-19 के कारण लॉकडाउन हो गया। इससे मुझे साल 2020 में परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिला। '' उन्होंने कहा, ' मैं उस लॉकडाउन के दौरान निराशा से उबरने में सफल रही। मुझे विश्वास था कि जो कुछ भी होता है, अच्छे कारण के लिए होता है। विश्व चैम्पियनशिप में 52 किग्रा वर्ग में सफलता के बाद जरीन राष्ट्रमंडल खेलों में 50 किग्रा में स्पर्धा करने की तैयारी कर रहीं है।

37 साल की उम्र में दिनेश कार्तिक की हुई टीम इंडिया में वापसी, ट्वीट कर लिखा भावुक मैसेज

मुबई (एजेंसी)।

आईपीएल के ठीक बाद भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी-20 मैचों की घरेलू श्रृंखला खेलनी है। इसके लिए 22 मई को टीम इंडिया का ऐलान भी हो गया है। सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है जबकि रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में कप्तानी केएल राहुल करेंगे। कई नए खिलाड़ियों को मौका दिया गया है जबकि कई ऐसे भी खिलाड़ी हैं जिनकी टीम में वापसी हुई है। ऐसे ही एक खिलाड़ी हैं दिनेश कार्तिक। दिनेश कार्तिक को एक बार फिर से टीम में शामिल किया गया है। माना जा रहा है कि जिस तरीके से आईपीएल 2022 में दिनेश कार्तिक ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिए धमाकेदार पारियां

खेली हैं, उसी का उन्हें इनाम मिला है।

सोशल मीडिया पर लगातार दिनेश कार्तिक को टीम इंडिया में शामिल करने की मांग भी की जा रही थी। दिनेश कार्तिक की उम्र फिलहाल 37 वर्ष की है। किसी भी खिलाड़ी के लिए इस उम्र में टीम में वापसी आसान नहीं रहती है। टीम इंडिया में चयन के बाद दिनेश कार्तिक काफी इमोशनल हो गए। उन्होंने एक ट्वीट कर अपने अंदर की भावनाओं को लिखा है। अपने ट्वीट में दिनेश कार्तिक में लिखा कि अगर आप खुद पर विश्वास करते हैं, तब सब कुछ आपके हक में हो जाएगा... आप सभी के समर्थन और विश्वास के लिए शुक्रिया... मेहनत जारी रहेगी...। आपको बता दें कि टीम इंडिया फिलहाल इस साल होने वाले ञ्20 वर्ल्ड कप की भी तैयारी कर रही है जिसमें दिनेश कार्तिक की अहम भूमिका हो सकती है।

दिनेश कार्तिक टीम इंडिया के अहम फिनिशर के तौर पर जाने जाते हैं। दिनेश कार्तिक ने आईपीएल 2020 में अब तक 14 मुकाबले खेले हैं और 287 रन बनाए हैं। वह 9 बार नॉट आउट रहे हैं। उनका स्ट्राइक रेट 180 से ज्यादा कर रहा है।

भारतीय दल ने बहरीन पैरा बैडमिंटन में 23 पदक जीते

नयी दिल्ली। भारतीय पैरा बैडमिंटन टीम ने मनामा में पहली बहरीन पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल चैम्पियनशिप में सात स्वर्ण समेत 23 पदक जीते। प्रतिभाशाली युगल खिलाड़ी मनीषा रामदास ने दो स्वर्ण पदक जीते जबकि नित्या श्री सुमति सिवान (डब्ल्यूएस एसएच6) और डी पांडुरंगन तथा शिवराजन एस (युगल एसएच 6) ने भी स्वर्ण पदक अपने नाम किये। दुनिया के नंबर एक पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत और तरूण ढिल्लों ने भी स्वर्ण पदक जीते। भगत के साथ मनीषा ने थाईलैंड के सिरिपोंग टीमारोम और निपाडा साएनसुपा को 21.14, 21.11 से हराकर मिश्रित युगल में स्वर्ण जीता। मनीषा और मनदीप कौर ने महिला युगल फाइनल में पलक कोहली और पारूल परमार को 21.11, 21.11 से हराया। एशियाई युवा पैरा चैम्पियन नित्या ने इंग्लैंड की रशेल चूंग को 21.15, 21.15 से शिकस्त दी जबकि मनदीप को महिला एसएल3 फाइनल में तुर्की की हलीमे यिदिज ने 21.5, 21.17 से हराया। युगल एसएच6 में डी पांडुरंगन और शिवराजन ने हांगकांग के चु मान केइ और वोंग युन यिम के रिटायर होने के बाद स्वर्ण जीता। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौरव खन्ना ने एक विज्ञप्ति में कहा- हमारे पैरा खिलाड़ियों ने एक बार फिर बेहतरीन प्रदर्शन किया। मैं उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन से खुश हूं। हमारा मुख्य फोकस फिटनेस पर रहेगा। भारतीय टीम अब मंगलवार से चौथी फाजा दुबई 2022 पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल चैम्पियनशिप में खेलेगी।

कुसल मेंडिस को मैच के दौरान सीने में उठा दर्द, अस्पताल ले जाया गया

ढाका (एजेंसी)।

श्रीलंका के बल्लेबाज कुसल मेंडिस को सोमवार को बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन सीने में दर्द के बाद ढाका के एक अस्पताल में ले जाया गया। लंच से पहले आखिरी ओवर के दौरान मेंडिस असहज महसूस कर रहे थे और मैदान पर लेट गए। टीम के चिकित्साकर्मियों ने उनका इलाज किया, लेकिन वह कुछ ही देर बाद सीने पर हाथ रखकर मैदान से बाहर चले गए। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के चिकित्सक मंजूर हसन चौधरी ने कहा, 'मेंडिस को उचित इलाज और बेहतर देखभाल के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा।' उन्होंने कहा, 'वह निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) या 'गैस्ट्राइटिस' से पीड़ित हो सकता है, जिसकी वजह से उसे बेचैनी हो रही थी। जांच और इलाज पूरा हो जाने के बाद ही उनकी परेशानी के बारे में ठीक से कुछ बताना संभव होगा।' मेंडिस की जगह कामिंदु मेंडिस मैदान पर उतरे। मेंडिस ने श्रृंखला के पहले टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 54 और 48 रन बनाए थे।

विलियमसन दूसरी बार पापा बने

मुम्बई । सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान केन विलियमसन के यहां एक बेटे का जन्म हुआ है। विलियमसन दूसरी बार पापा बने हैं। उनकी पत्नी ने एक बेटे को जन्म दिया है। विलियमसन ने इंस्टाग्राम पर पत्नी और बेटे की तस्वीर साझा कर प्रशंसकों को यह जानकारी दी। इसके बाद उन्हें दुनिया भर से क्रिकेटरों की शुभकामनाएं मिली हैं। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान, कैरेबियाई खिलाड़ी जेसन होल्डर, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी डेविड वॉर्नर के अलावा न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम सहित कई क्रिकेटरों ने विलियमसन को बेटे के जन्म पर बधाई दी है।

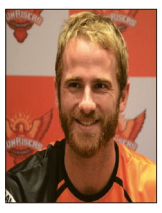

आईपीएल में खेल रहे न्यूजीलैंड के कप्तान विलियमसन बच्चे के जन्म के कारण ही अंतिम लीग मैच से पहले स्वदेश लौट गये थे। आईपीएल के इस 15वें सत्र में विलियमसन की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह अंतिम लीग मैच हारने के साथ ही आठवे स्थान पर होने के साथ ही टूर्नामेंट से बाहर हो गयी।

भारतीय टीम की कप्तानी मिलना सम्मान की बात : राहुल

अभी आईपीएल मुकाबलों पर है ध्यान

मुबई (एजेंसी)।

बल्लेबाज लोकेश राहुल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाये से उत्साहित हैं। राहुल ने कहा कि अपने देश का नेतृत्व करना हमेशा ही एक विशेषाधिकार और सम्मान की बात होती है। एक बार फिर यह अवसर पाकर खुश हूं मैं इसी अवसर का इंतजार कर रहा था हालांकि अभी मेरा ध्यान आईपीएल को लेकर अपनी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स पर है। हमें नॉकआउट मैच खेलने हैं और मेरा लक्ष्य जीत हासिल कर आईपीएल ट्राफी उठाना है। साथ ही कहा कि मैं इस आईपीएल ट्रॉफी को जीतना चाहता हूं और फिर अपने को कुछ दिन का ब्रेक देना चाहता हूं जिससे तरोताजा होकर भारतीय टीम के बारे में सोचना शुरु किया जाये।

राहुल की कप्तानी में लखनऊ की टीम आईपीएल 2022 लीग चरण में तीसरे स्थान पर रही है। उसे बुधवार को ईडन गार्डन में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से एलिमिनेटर मुकाबला खेलना है। राहुल की कप्तानी में भारतीय टीम 9 जून से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज में उतरेगी। वहीं इस घरेलू सीरीज में ऋषभ पंत टीम के उपकप्तान होंगे। इस टीम में ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को भी जगह मिली है। इसके अलावा आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर ध्यान खींचने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और सबसे तेज गेंदबाज करने वाले उमरान मलिक को भी पहली बार शामिल किया गया है।

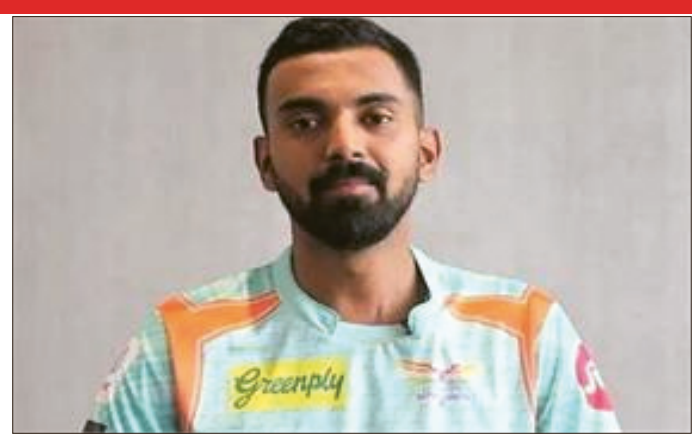

एमबापे पीएसजी के साथ ही रहेंगे , तीन साल का करार किया

पेरिस। फ्रांस के स्टार फुटबॉलर काइलन एमबापे ने कहा है कि वह अपने वर्तमान क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के साथ ही रहेंगे और उनका स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड जाने का कोई इरादा नहीं है। एमबापे ने इसी के साथ ही मैड्रिड की क्लब से जुड़ने की पेशकुश ठुकरा दी। इस खिलाड़ी ने इसके बाद फ्रांसीसी लीग में अपने घरेलू मैदान पार्क डेस प्रिंस में खेले गए मैच में मेट्ज के खिलाफ शानदार हैट्रिक भी लगायी। इससे टीम को 5-0 की जीत मिली। एमबापे ने अपने प्रशंसकों से कहा , 'मैं पीएसजी और अपने शहर पेरिस में रहने से खुश हूं। मैं हमेशा कहता रहा हूं कि पेरिस मेरा घर है।' उन्होंने साथ ही कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मैं फुटबॉल खेलना जारी रखूंगा जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्राथमिकता के आधार पर तैयार करें अपनी कार्य-सूची

आज आप जितना कर सकती हैं, उससे अधिक करने की कोशिश न करें। अपनी गतिविधियों की छंटनी शुरू कर दीजिए और फिर अपनी कार्य-सूची पर पुनर्विचार कीजिए। जो चीजें बेकार एवं महत्वहीन हैं, उन्हें बाहर कर दीजिए। आप जो भी कर सकती हैं या करना चाहती हैं, उन तमाम चीजों को एक ही दिन में करने का प्रयास न करें। सबसे जरूरी चीज पर नजर रखें एवं प्राथमिकता के आधार पर उन्हें करें। व्यक्तिगत रिश्ते बनाएं, ताकि काम एवं जीवन में सहजता आए।

एक समय में एक ही काम

अपना समय केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें, जो आपके लिए महत्वपूर्ण हो। दो या उससे अधिक काम एक साथ करने से तौबा करें, तब भी जब चीजें आसान लगती हों या लगता हो कि आप कर लेंगी। जब आप एक से अधिक काम एक ही बार में करती हैं तो आपका ध्यान बंट जाता है। आप एकाग्रता खो देती हैं, जो कि बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है।

कुछ उदाहरण

यदि आप एक साथ खाती एवं पढ़ती हैं तो आपका कुछ ध्यान पढ़ने पर और कुछ खाने पर होता है। आप कोई भी चीज ढंग से नहीं कर पाती हैं। जब आप टहलती हैं तो टहलें, जब आप बैठती हैं तो बैठें। भटकें नहीं। जब ड्राइव करें तो पूरा ध्यान रोप पर रखें। काफी ऊंची आवाज में संगीत सुनना या चालक एवं यात्री के बीच की बातचीत कई सड़क हादसों का कारण होती है। यदि आप यात्री हैं तो चालक को गाड़ी चलानें दें न कि उससे बातचीत करें।

पांच गुण होना महत्वपूर्ण

किसी भी स्त्री या पुरुष में पांच गुण होना चाहिए। वे हैं-शिष्टाचार, उदारता, लगन, संकल्प एवं दया भाव। शिष्टाचार से आप बेइज्जती को अनदेखा कर सकती हैं, उदारता से सबको जीत सकती हैं। लगन से लोग आप पर विश्वास करेंगे और संकल्प एवं दया भाव से सफलता प्राप्त कर सकती हैं।अच्छी संगत, अच्छी किताबें एवं प्रार्थना- ये तीन चीजें किसी मनुष्य को तीनों लोकों का सम्राट बनाती हैं।

सफलता नैसर्गिक नहीं होती

सफलता प्राप्त करने की प्रक्रिया नैसर्गिक नहीं है। सफलता हमें विरासत में नहीं मिलती। इसे हम अपने प्रयासों से पैदा करते हैं। यह हमारे कठिन परिश्रम एवं क्रियाओं की पुनरावृत्ति का काल होता है। संघर्ष जीवन है और जीवन की क्रियाएं ही इसे कर सकती हैं। हमें केवल सपने देखने वाला नहीं बल्कि आगे बढ़कर उसे करने वाला बनना चाहिए।

सेमिनारों में कुछ नहीं

हम समय-समय पर प्रेरित करने वाले लोगों से मिलते रहते हैं या सेमिनारों में ऐसे भाषण सुनते रहते हैं। इस प्रकार के पारस्परिक क्रिया से हमें अपने तरीकों को सुधारने एवं काम करने की शैली की और बेहतर करने के उपाय मिलते हैं। हम उनको अपनाते हैं और महसूस करते हैं कि अपने आप को और बेहतर करें एवं जीवन में बदलाव लाने का रहस्य पा लिया है। यह पूरी गहमागहमी दो-चार दिनों में खत्म हो जाती है और हम फिर वहीं होते हैं जहां हम थे।

ऊर्जा, समय व पैसे बचायें

याद रखिये सेमिनार एवं कार्यशाला में भाग लेना समय, ऊर्जा और पैसे की बर्बादी है, यदि हम उन चीजों को नहीं अपनाते, जो वे हम तक पहुंचाना चाहते हैं। यदि आपको कोई बेहतरीन आइडिया मिलता है तो आप अपने आप से पूछिए कि आप इससे क्या करने जा रहे हैं और आप इसे कैसे करेंगे। सभी बातों को लिखिए और फिर निर्णय लीजिए कि आप क्या करने जा रहे हैं। किन उपायों को लागू करना है, उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए और सब कुछ करने के लिए समय सीमा तय करनी चाहिए।

इन मेकअप प्रोडक्ट्स से रहें दूर

अच्छा दिखने के लिए मेकअप कर के घर से बाहर निकलना अब जरूरत सा बन गया है, लेकिन मेकअप के सभी उत्पाद आपके लिए अच्छे हो ये कतई जरूरी नहीं है। कुछ ऐसे उत्पाद भी है जो आपको कुछ समय तक सुंदर तो दिखा देते है लेकिन आपकी त्वचा और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते है। आइए, जानते हैं ऐसी ही 5 मेकअप सामग्री के बारे में जिनका इस्तेमाल आपको कम से कम ही करना चाहिए

टेलकम पाउडर

टेलकम पाउडर सामान्य तौर पर आपमें से कई लोगों के जीवन का एक अहम हिस्सा होगा। भले ही आप इसे सुरक्षित मानते हों, लेकिन इसमें मौजूद सिलेकेट्स नामक तत्व आपको एलर्जी, फेफड़ों में इंफेक्शन या फिर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का शिकार बना सकता है।

ब्लीच क्रीम

अधिकांश ब्लीच क्रीम में पाया जाने वाला हाइड्रोक्विनोन त्वचा के निकलने, लालिमा या लाल रेशेस अथवा त्वचा के रूखेपन के लिए जिम्मेदार होता है। इसकी जगह त्वचा प्रभावशाली घरेलू उत्पादों का प्रयोग करना बेहतर होगा।

लिप ग्लॉस

होंठों पर चमकदार नमी लाने के लिए प्रयोग किया जाने वाला लिपग्लॉस कुछ ऐसे केमिकल्स से युक्त होता है, जो आपके होंठों की त्वचा को अंदर से रूखा कर सकते हैं साथ ही रोमछिद्रों को ब्लॉक कर सकते हैं।

हेयर कलर

इसमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स आपके सिर की त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा त्वचा का लाल होना और खुजली जैसी समस्याएं भी हो सकती है जो अन्य गंभीर समस्याओं को जन्म देती हैं।

नेल पॉलिश

भले ही अपको रंगीन, चमकीले नेल पॉलिश का शौक हो, लेकिन इनमें मौजूद एसीटोन आपके नाखूनों को दाग या धब्बों से युक्त बनाने के साथ ही कमजोर बनाने में सहायक होता है। इसके लिए हमेशा नेल पॉलिश का इस्तेमाल करने से बचें।

अक्सर महिलाओं की ये समस्या होती है कि घर का खर्च ज्यादा हो रहा है और पैसों से जुड़ी बचत नहीं हो पा रही है। यहां निवेश और बचत की नहीं खर्च की बात हो रही है। घरों में आजकल की व्यस्त लाइफस्टाइल कुछ ऐसी हो गई है कि लोगों को ये समझ ही नहीं आता कि उनका इतना खर्च आखिर कैसे बढ़ गया है। ये सब कुछ पैसे से जुड़ी कुछ गलतियों के कारण होता है।

पैसे के बारे में बात नहीं करना

आम तौर पर यही देखा जाता है कि पति और पत्नी एक दूसरे से इसके बारे में बात नहीं करते। पत्नी घर संभाल रही हो या फिर बाहर काम कर रही हो तो भी इसके बारे में बातें नहीं की जातीं। बच्चे अगर पढ़ने की उम्र में हैं या टीनएज हो गए हैं तो उन्हें भी अक्सर घर पर ये नहीं बताया जाता है कि निवेश और बचत की जरूरत क्या है। हफ्ते में कम से कम एक बार सभी को बैठकर घर और पैसे के खर्च से जुड़ी बातें करनी चाहिए। इससे वो खर्च भी सामने आ जाता है जिसका शायद अंदाजा भी नहीं होता। ये घर का बजट बनाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

पहले खर्च फिर जो बचा वो निवेश

हमारी भारतीय संस्कृति में एक आम कहावत है कि, 'जितनी चादर है उतना ही पैर पसारो'। ये बहुत अच्छा कथन है, लेकिन इसे हमें थोड़ा सा बदलना होगा क्योंकि हम हमेशा जितना खर्च है उतना कर लो और उसके बाद जो बचा वो बचत। इससे समस्या ये होती है कि जरूरत से अधिक खर्च भी हो जाता है और बचत कम रह जाती है। इसे थोड़ा सा बदलने की जरूरत है और कमाई के बाद एक निश्चित बचत और उसके बाद जितना बचा उसे खर्च करना चाहिए। ये बजट आसानी से बन सकता है कि महीने में कितनी बचत की जा सकती है।

बचत और निवेश का अंतर न समझना

मान लीजिए आप हर महीने की आय में से कुछ पैसे बचा लेते हैं, लेकिन क्या इन पैसों को बचाने से सिर्फ काम हो जाता है? जी नहीं, बचत और निवेश में काफी अंतर है जिसे समझने की जरूरत है। पैसे ड्रॉअर में पड़े रहें या फिर वो बैंक के सेविंग्स अकाउंट में रखा है तो उससे हमारे भविष्य के लिए कोई फायदा हो रहा है? बिलकुल नहीं। तन्वी जी का कहना है कि उनके पास बहुत से लोग आते हैं और वो यहीं मात खा जाते हैं। उन्हें निवेश इस बारे में सोचकर करना चाहिए कि भविष्य में ये कितना रिटर्न देगा।

बार-बार बिगड़ जाता है घर का बजट तो ना करें पैसों से जुड़ी ये गलतियां

अपनी बचत और निवेश को ऑटोमैटिक मोड पर नहीं डालना

बैंक की आरडी या एफडी जिसका ऑटोमैटिक पैसा कटता है वो ज्यादा सही है। भले ही बचत और निवेश का कोई भी मोड हो पैसा ऑटोमैटिक हर महीने कटना चाहिए। कारण ये है कि अगर बचत हर वक्त नहीं होगी तो हम उस कमाई को खर्च करने के लिए उत्सुक रहेंगे। अकाउंट में या जेब में ज्यादा पैसा होने का मतलब है कि उसे खर्च करने का लालच भी बढ़ जाएगा। अगर सैलरी आते ही एक अच्छे फाइनेंशियल एक्सपर्ट की मदद से पैसे निवेश कर देंगे तो हमारा भविष्य सुरक्षित होगा।

अपने पैसे को अलग-अलग जगह न निवेश करना

पैसा है आपके पास तो क्या हर बार वो एक ही तरह से निवेश किया जाएगा? कई लोग सिर्फ FD बनाते रहते हैं, कुछ को पोस्ट ऑफिस की NSC अच्छी लगती है, लेकिन इसका सीधा सा मतलब ये होता है कि पैसे के साथ कोई एक्सपेरिमेंट नहीं किया जाता। कारण ये है कि अगर एक ही तरह से पैसा निवेश होगा तो खतरे की स्थिति में एक ही साथ उसके खर्च होने या फिर डूब जाने की गुंजाइश भी होती है।

फाइनेंशियल भाषा से डरना और रिस्क न लेना

इंसान का दिमाग जो चीज समझ नहीं पाता वो उससे हमेशा डरता रहता है और ये बहुत आम घटना है कि लोग खुद को फाइनेंशियल भाषा सिखा नहीं पाते। ऐसे में उन्हें जानकारी न के बराबर रहती है। होता ये है कि ऐसी स्थिति में निवेश के समय हम बहुत ज्यादा सोच विचार में लग जाते हैं और कई बार डर के कारण रिस्क नहीं ले पाते। इससे बाद में नुकसान होने की गुंजाइश है।

कर्ज को न समझना

बहुत से लोगों के पास होम लोन होता है, कार का लोन होता है, क्रेडिट कार्ड से खर्च होता है। अर्थव्यवस्था में कर्ज की दरें लगातार बढ़ती और घटती रहती है। ऐसे में हमारे कर्ज पर भी असर पड़ता है। किसी भी तरह के लोन को हमेशा फाइनेंशियल एक्सपर्ट से हर साल रिव्यू करवाना चाहिए। क्या पता ब्याज की दर इससे कम हो सके। इसी तरह से क्रेडिट कार्ड सबसे महंगा तरीका है ऐसे में कई बार वो बहुत महंगा पड़ जाता है। कोशिश करें कि हर वक्त क्रेडिट कार्ड निकालने से बचें।

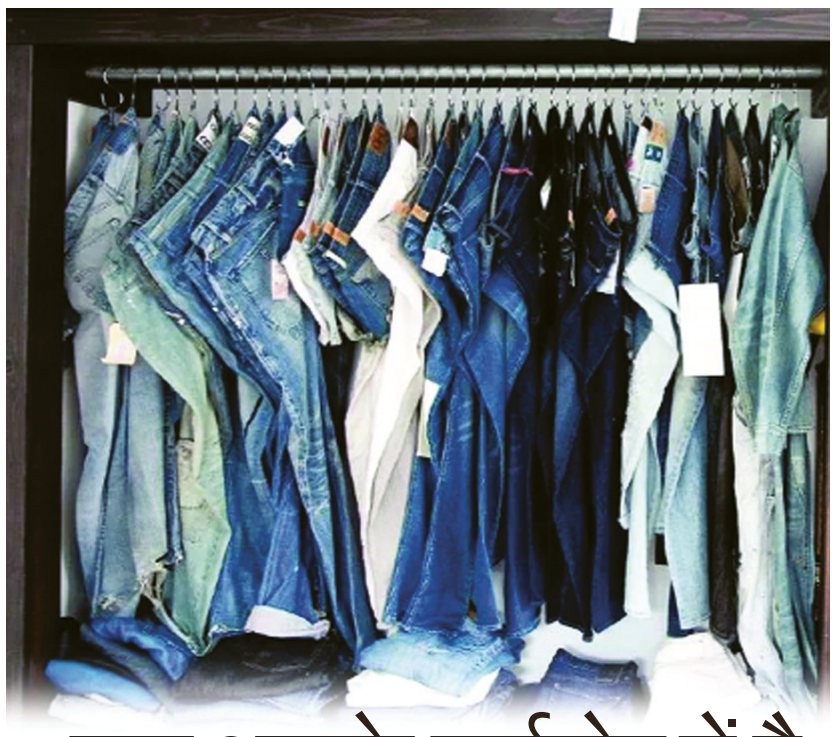

क्या आपके वार्डरोब में है जींस के ये ट्रैंडी कलेक्शन

जींस एक ऐसी कॉमन ड्रैस है, जो हर लड़की के वार्डरोब में जरूर मौजूद होती है। बाजार में कई स्टाइलिश जींस आ चुकी हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीद सकती हैं। जींस खरीदने से पहले आपको यह जानना जरूरी हैं कि आजकल किस पैटर्न की जींस का चलन ज्यादा है। आज हम आपको जींस की इन्हीं वैरायटी के बारे में बता रहे हैं जिनके बारे में जानकर आपको अपनी पसंद की जींस खरीदने में आसानी होगी.

रिप्ड जींस

रिप्ड जींस एक दशक से फैशन ट्रैंड में बनी हुई है। कॉमन यंग गर्ल्स से लेकर बॉलीवुड एक्ट्रैस सभी में इसका क्रेज है। शायद ही कोई लड़की होगी जिसके वार्डरोब में रिप्ड जींस न हो। एक दशक पहले ट्रैंड में आई ये जींस आज भी लड़कियों की पहली पसंद बनी हुई है। इसमें जींस के कई हिस्से में कुछ स्लिट्स या कट्स बने होते हैं। कॉमन लैंग्वेज में इसे फटी जींस भी कहते हैं। अगर आपके पास कोई पुरानी जींस है, जिसे आप नहीं पहनतीं तो उसे ब्लेड से कट करके रिप्ड जींस का लुक दें सकती हैं। रिप्ड जींस को आप लॉन्ग कुर्ती या फिर किसी भी टॉप के साथ वियर कर सकती हैं। ये आपको कूल और स्टाइलिश लुक देगी।

बैगी जींस

बैगी जींस अपने लूज साइज की वजह से काफी कंफर्टेबल होती है। दो से तीन दशक पहले इस पैटर्न की जींस का काफी चलन था। एक बार फिर से इसका ट्रैंड लौट आया है। यही वजह है कि सैलेब्स में भी ये जींस काफी पॉपुलर है। ट्रैवलिंग के दौरान या कहीं आने-जाने के लिए एक्ट्रैस इसे कैरी किए नजर आती रही हैं।

पैच वर्क जींस

इन दिनों पैच वर्क जींस भी काफी पॉपुलर हैं। यंग गर्ल्स से लेकर सैलेब्स इसे पहने नजर आती रहती हैं। ये जींस अलग-अलग रंग के जींस के चौकोर टुकड़ों को एक साथ पैच करके बनाई जाती है, जो देखने में काफी युनीक और कूल लगती हैं।

बेल बॉटम जींस

पुराने जमाने में आपने हीरो-हीरोइन को फिल्मों में नीचे से खुली पैंट या जींस पहने देखा होगा। इस स्टाइल को बेल बॉटम स्टाइल कहते हैं। आजकल बेल बॉटम जींस का फैशन फिर से लौट आया है। ये जींस काफी कंफर्टेबल होती हैं। यंग गर्ल्स से लेकर वर्किंग वुमन बेल बॉटम जींस पहनना पसंद कर रही हैं।

स्किन फिट जींस

इसके नाम से ही क्लियर है कि ये जींस कैसी होगा। ये पूरी तरह स्किन टाइट होती है। ज्यादातर लड़कियां स्किन फिट जींस पहनना पसंद करती हैं, लेकिन अगर कंफर्ट की बात करें तो ये उतनी आरामदायक नहीं होती। तब भी इस जींस का क्रेज लड़कियों में बना हुआ है। इसे आप अपनी मनपसंद कुर्ती या फिर टॉप के साथ कैरी कर सकती हैं।

कलर आईलाइनर लगाने से पहले जरूरी टिप्स मिलेगा स्टाइलिश लुक

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लड़कियां मेकअप करना पसंद करती है। वहीं आंखों को बड़ा, आकर्षित दिखाने के लिए आईलाइनर लगाती है। बात अगर आईलाइनर की करें तो आमतौर पर लड़कियां इसमें ब्लैक कलर पसंद करती है। मगर आजकल लड़कियों में कलरफुल आईलाइनर का क्रेज भी बढ़ रहा है। इससे लुक और भी स्टाइलिश नजर आता है। मगर इसे लगाने से पहले कुछ बातों का ध्यान देने की जरूरत होती है। कलर आईलाइनर लगाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

मेकअप ना करें

कलर आईलाइनर अक्सर आंखों को हाइलाइट करने के लिए लगाया जाता है। इसलिए इसे लगाने के बाद अपना रेगुलर मेकअप ना करें। नहीं तो इससे आपका मेकअप अधिक लगेगा।

सही कलर चुनें

अगर आप पहली बार कलर आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए रंग चुनें। इसके लिए आप पिंक, लैवेंडर, बैंगनी, सुनहरा या अपनी ड्रेस से मैचिंग रंग चुन सकती है।

आंखों पर ध्यान दें

कलर आईलाइनर लगाने के लिए बस अपनी आंखों पर फोकस करें। इसके साथ हैवी व बोल्ड मेकअप करने की गलती ना करें। ऐसा करने से आपकी आंखों पर ध्यान नहीं जाएगा।

डार्क कलर अप्लाई करें

अगर आप पहली बार आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए डार्क कलर यूज करें। असल में, इससे आपका लुक एकदम बदल जाएगा। ऐसे में आप पहली बार के लिए ब्राउन या ब्लू कलर चुन सकती है। मस्कारा ब्लैक कलर का लगाएं आप भले ही आईलाइनर कलर्ड चुन रही है मगर इसके साथ मस्कारा ब्लैक ही लगाएं। इससे आपकी आंखों को ग्रेसफुल लुक मिलेगा। इसके साथ ही फेक आईलैशेज लगाने की गलती ना करें।

सार समाचार

म्यूचुअल फंड कंपनियों ने 2021-22 में एनएफओ से 1.08 लाख करोड़ रुपये जुटाए

नयी दिल्ली। शेयर बाजारों में तेजी और खुदरा निवेशकों की रुचि बढ़ने के बीच परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां (एएमसी) 2021-22 में 176 नई कोष पेशकश (एनएफओ) लेकर आई हैं, जिनके जरिये कुल 1.08 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए। फायर्स के शोध प्रमुख गोपाल कवालिरेड्डी ने कहा, ह्यह्य नकदी की सख्त स्थिति, ब्याज दरों में बढ़ोतरी, शेयर बाजार में मजबूती, दफ्तर से काम फिर शुरू होने के बाद आगे चलकर एनएफओ में रुचि घट सकती है। वहीं निश्चित परिपक्वता वाली योजनाओं (एफएमपी) में उल्लेखनीय रूप से नई पेशकशें देखने को मिल सकती हैं। उन्होंने कहा कि लगभग सभी एएमसी ने विभिन्न श्रेणियों में नई योजनाएं पेश की हैं और पहले मौजूद उत्पादों के अंतराल को पाटने का काम किया है। उन्होंने बताया कि निवेश के उद्देश्यों में अंतर, विशिष्ट योजनाओं में निवेशकों की रुचि, धन की उपलब्धता, कोष प्रबंधकों की विश्वसनीयता और शेयर बाजारों के प्रदर्शन के आधार पर नई पेशकशों की संख्या तय होगी। मॉर्निंगस्टार इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, 2021-22 में 176 नई कोष पेशकशें आईं। इन एनएफओ के जरिये 1,07,896 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं। यह पिछले वित्त वर्ष की तुलना में कहीं ऊंचा आंकड़ा है। 2020-21 में 84 एनएफओ आए थे और इनके जरिये कुल 42,038 करोड़ रुपये जुटाए गए थे।

तालिबान ने महिला टीवी प्रस्तोताओं के लिए चेहरा ढकने संबंधी आदेश लागू किया

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान के तालिबान शासकों ने रविवार को उस आदेश को लागू करना शुरू कर दिया जिसके तहत देश की सभी महिला टीवी समाचार प्रस्तोताओं को प्रसारण के दौरान अपना चेहरा ढकना आवश्यक कर दिया गया है। मानवाधिकार कार्यकताओं ने इस आदेश की निंदा की है। बृहस्पतिवार को आदेश की घोषणा के बाद, केवल कुछ मीडिया संस्थानों ने आदेश का पालन किया था। लेकिन रविवार को तालिबान के शासकों द्वारा आदेश को लागू किये जाने के बाद ज्यादातर महिला प्रस्तोताओं को अपने चेहरे ढके हुए देखा गया। ह्यटोलो न्यूजह्ल की एक टीवी प्रस्तोता सोनिया नियाजी ने कहा, 'यह सिर्फ एक बाहरी संस्कृति है, जो हम पर थोपी गई है, जो हमें अपना चेहरा ढकने के लिए मजबूर करती है और जो हमारे कार्यक्रमों को प्रस्तुत करते समय हमारे लिए एक समस्या पैदा कर सकती है।' एक स्थानीय मीडिया अधिकारी ने पुष्टि की कि उनके स्टेशन को पिछले हफ्ते आदेश मिला था, लेकिन रविवार को इस आदेश को लागू करने के लिए मजबूर किया गया। गौरतलब है कि 1996-2001 तक अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता के दौरान महिलाओं पर बुर्का पहनने समेत कई प्रतिबंध लगाये गये थे। उस वक्त, लड़कियों और महिलाओं को शिक्षा से वंचित कर दिया गया था और सार्वजनिक जीवन से बाहर रखा गया था।

डब्ल्यूएचओ ने भारत की दस लाख महिला आशा स्वयंसेवकों को सम्मानित किया

संयुक्त राष्ट्र/जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने रविवार को भारत की 10 लाख महिला आशा स्वयंसेवकों को सम्मानित किया। आशा स्वयंसेवकों को यह सम्मान ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने और देश में कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ अभियान में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए दिया गया है। मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता या आशा स्वयंसेवक भारत सरकार से संबद्ध स्वास्थ्य कार्यकर्ता हैं जो ग्रामीण क्षेत्र में कार्य करते हैं। भारत में कोरोना वायरस महामारी के चरम पर रहने के दौरान रोगियों का पता लगाने के लिए घर-घर जाकर जांच करने को लेकर आशा कार्यकर्ता विशेष तौर पर चर्चा में आईं। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रेयेसस ने रविवार को छह पुरस्कारों की घोषणा की। ये पुरस्कार वैश्विक स्वास्थ्य को आगे बढ़ाने, क्षेत्रीय स्वास्थ्य मुद्दों के लिए नेतृत्व और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करने के लिए दिए गए हैं। महानिदेशक घेब्रेयेसस ने 'ग्लोबल हेल्थ लीडर्स अवार्ड' के लिए विजेताओं का फैसला किया। इन पुरस्कारों की स्थापना 2019 में की गई थी और पुरस्कार समारोह 75वीं विश्व स्वास्थ्य सभा के उच्च-स्तरीय उद्घाटन सत्र का हिस्सा था। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि सम्मानित लोगों में आशा भी हैं जिसका हिंदी में अर्थ उम्मीद है। भारत में 10 लाख से अधिक महिला स्वयंसेवकों को समुदाय को स्वास्थ्य प्रणाली से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सम्मानित किया गया। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ने कहा, ऐसे समय, जब दुनिया असमानता, संघर्ष, खाद्य असुरक्षा, जलवायु संकट और एक महामारी का एक साथ सामना कर रही है, यह पुरस्कार उन लोगों के लिए है जिनका दुनिया भर में स्वास्थ्य की रक्षा और बढ़ावा देने में उत्कृष्ट योगदान रहा है।

इमरान खान ने 25 मई को इस्लामाबाद मार्च का आह्वान किया

पेशावर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने समर्थकों से 25 मई को इस्लामाबाद की ओर शांतिपूर्वक मार्च करने को कहा है, ताकि नेशनल असेंबली को भंग करने और देश में नए सिरे से चुनाव कराने के लिए दबाव बनाया जा सके। साढ़े तीन साल से अधिक समय तक प्रधानमंत्री रहे 69 वर्षीय खान को पिछले महीने विपक्षी दलों ने संसद में अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से पद से हटा दिया था। अपदस्थ होने के बाद से, खान ने विभिन्न शहरों में कई रैलियों को संबोधित किया है। डॉन अखबार की खबर के मुताबिक, पेशावर में अपनी पार्टी की कोर कमेटी की बैठक के बाद रविवार को संवाददाता सम्मेलन में खान ने कहा कि यह मार्च धरने में तब्दील हो जाएगा और जब तक उनकी मांगें नहीं मान ली जाती, तब तक यह मार्च जारी रहेगा। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, राजधानी तक मार्च की मुख्य मांग नेशनल असेंबली को तत्काल भंग करना और अगले आम चुनाव की तारीख तय करने के लिए दबाव बनाना है। खान ने कहा कि वह चाहते हैं कि हर तबके के लोग मार्च में हिस्सा लें और उन्हें पद से हटाए जाने के खिलाफ आवाज उठाएं। खान ने कहा, 25 (मई) को मैं इस्लामाबाद में श्रीनगर राजमार्ग पर आपसे मिलूंगा। मैं चाहता हूं कि सभी (हर वर्ग)लोग आएं, क्योंकि यह जिहाद है, राजनीति नहीं। मैंने फैसला किया है और अपनी पूरी टीम को बताया है कि हमें अपने जीवन का बलिदान देने के लिए तैयार रहना होगा।' इस बीच, गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने रविवार को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को चेताया कि अगर उसके प्रदर्शनकारी अराजकता पैदा करने के इरादे से इस्लामाबाद की ओर मार्च करते हैं तो कार्रवाई की जाएगी।

एलन मस्क बोले ज्यादा बच्चे पैदा करने से पर्यावरण में बनेगा संतुलन

वॉशिंगटन । स्पेसएक्स और टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क अपने बयानों और अपने ट्वीट को लेकर चर्चा में बने रहते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि ज्यादा बच्चे पैदा करना पर्यावरण के लिए अच्छा होता है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑल-इन समिट में बोलते हुए सात बच्चों के पिता एलन मस्क ने कहा कुछ लोग सोचते हैं कि कम बच्चे पैदा करना पर्यावरण के लिए बेहतर है। एलन मस्क ने कहा यह बिल्कुल बकवास है। अगर हम इंसानों के आकार को दोगुना कर दें तो भी पर्यावरण ठीक रहेगा। मस्क ने आगे कहा कम से कम हमारे नंबर बनाए रखें।

चीन के ग्वांझू में चीनी विदेशमंत्री वांग यी ने पाकिस्तानी विदेशमंत्री बिलावल भुट्टो से भेंट की।

मंकीपॉक्स के मामलों को लेकर चिंतित होने की जरूरत : बाइडन

प्योंगतेक (दक्षिण कोरिया)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को कहा कि यूरोप तथा अमेरिका में हाल में सामने आए मंकीपॉक्स के मामलों को लेकर 'चिंतित होने की आवश्यकता है।'

इस बीमारी पर पहली बार सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करते हुए बाइडन ने कहा, 'चिंता की बात यह है कि अगर यह संक्रमण फैला तो इसके परिणाम भुगतने होंगे।' बाइडन दक्षिण कोरिया के ओसान हवाई अड्डे पर पत्रकारों द्वारा इस बीमारी के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। राष्ट्रपति के रूप में एशिया की अपनी पहली यात्रा के क्रम में बाइडन ने जापान रवाना होने से पहले सैनिकों से मुलाकात की। बाइडन ने कहा, 'अभी मुझे संक्रमण के प्रसार के बारे में नहीं बताया गया है लेकिन इसके बारे में हर किसी को चिंतित होना चाहिए।' उन्होंने कहा कि यह पता लगाने के लिए काम चल रहा है कि कौन-सा टीका प्रभावी हो सकता है। मंकीपॉक्स के मामले अफ्रीका के बाहर विरले ही देखने को मिलते हैं लेकिन शुक्रवार तक दुनियाभर में इसके 80 मामलों की पुष्टि हुई। इनमें से कम से कम दो मामले अमेरिका में सामने आए। हालांकि, यह बीमारी चेचक जैसी है लेकिन इसके लक्षण हल्के होते हैं। मरीज आम तौर पर अस्पताल में भर्ती हुए बिना दो से चार हफ्तों में ठीक हो जाते हैं लेकिन कभी-कभी यह बीमारी जानलेवा भी हो जाती है।

ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका आमने-सामने

बीजिंग को नागवार गुजरा बाइडेन का बयान, कही यह अहम बात

टोक्यो। (एजेंसी)

क्वाड नेताओं का जापान की राजधानी टोक्यो में जमघट लगा हुआ है। इस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ताइवान को लेकर बड़ा बयान दिया। जिसको लेकर चीन काफी नाराज दिखाई दे रहा है। दरअसल, जो बाइडेन ने कहा कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है तो उनका देश सैन्य हस्तक्षेप करेगा। यह बयान पिछले कुछ समय में ताइवान के संदर्भ में दिए गए बयानों में सबसे ज्यादा अहम है।

चीन ने जताई आपत्ति

जो बाइडेन के बयान के कुछ देर बाद ही चीन ने इस पर आपत्ति दर्ज कराई। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि वह अपने देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय एकता के मामले में कोई समझौता नहीं करेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि हमारे नागरिकों के संकल्प को कोई कमतर आंकने की गलती न करे।

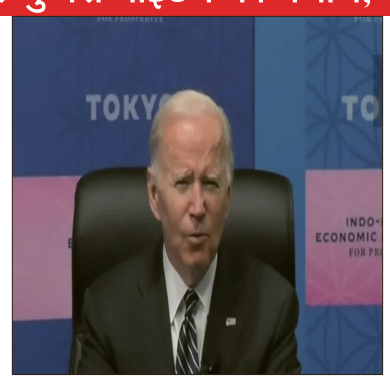

उन्होंने कहा कि ताइवान चीन का एक अविभाज्य हिस्सा है। इसके साथ ही उन्होंने ताइवान का चीन का आंतरिक मसला बताया। उन्होंने कहा कि चीन अपनी 1.4 अरब की आबादी के बल पर हमेशा अपने हितों की रक्षा करेगा।

बाइडेन के बयान से क्यों भड़का चीन ?

आपको बता दें कि चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और उस पर कब्जा करने की योजनाएं तैयार कर रहा है। जबकि ताइवान की बड़ी आबादी खुद को अलग देश के तौर पर देखती है। हालांकि चीन समय-समय पर दावा करता रहता है कि वो ताइवान को बातचीत के माध्यम से या फिर सैन्य ताकत के दम पर चीन में शामिल कर लेगा। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति का बयान चीन को नागवार गुजरा है।

टोक्यो में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सवाल किया गया कि यदि चीन ताइवान पर हमला करता है तो क्या वह सैन्य हस्तक्षेप करके इसकी रक्षा करने के इच्छुक हैं। इस पर उन्होंने कहा कि हां। हमने यह प्रतिबद्धता जताई है। जो बाइडेन ने कहा कि ताइवान के खिलाफ बल प्रयोग करने का चीन का कदम न केवल अनुचित होगा, बल्कि यह पूरे क्षेत्र को विस्थापित कर देगा और यूक्रेन में की गई कार्रवाई के समान होगा। इस दौरान जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा भी जो बाइडन के साथ दिखाई दिए।

तिब्बती मामलों की विशेष समन्वयक उजरा जेरा ने नेपाली प्रधानमंत्री देउबा से मुलाकात की

काठमांडू (एजेंसी)

तिब्बती मामलों के लिए अमेरिका की विशेष समन्वयक उजरा जेया ने रविवार को नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा से मुलाकात की और दोनों ने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों सहित आपसी हित के कई मुद्दों पर चर्चा की। जेया अमेरिका की नागरिक सुरक्षा, लोकतंत्र और मानवाधिकार मामलों की अवर मंत्री भी हैं। उनकी देउबा से मुलाकात प्रधानमंत्री के बालूवाटर स्थित आवास में हुई। देउबा ने ट्विटर पर कहा, 'नागरिक सुरक्षा, लोकतंत्र और मानवाधिकार मामलों की अवर मंत्री के नेतृत्व में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए खुशी हुई। हमने नेपाल-अमेरिका संबंधों और आपसी हितों के मामलों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।' नेपाल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक के दौरान नेपाल-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हित के विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। मंत्रालय के मुताबिक, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहीं जेया नेपाल की तीन दिवसीय यात्रा पर शुक्रवार को यहां पहुंचीं। नेपाल पहुंचने के बाद, जेया ने नेपाल को 65.9 करोड़ डॉलर की सहायता की घोषणा की। उन्होंने ट्विटर पर कहा कि 'यूएसएड' और नेपाल के बीच समझौता होने की खुशी है जो नेपाल को 'लोकतांत्रिक और समृद्ध भविष्य के लिए हमारे साझा दृष्टिकोण का समर्थन करने के वास्ते 65.9 करोड़ डॉलर प्रदान करेगा।' जेया ने शुक्रवार को 'इंटरनेशनल वुमन ऑफ करेज अवॉर्ड' पाने वाली भूमिका श्रेष्ठा और मुस्कान खातून से मुलाकात की। श्रेष्ठा को एलजीबीटीक्यूआई प्लस और खातून को तेजाब हमले के खिलाफ काम करने के लिए पुरस्कृत किया गया है।

युद्ध का नतीजा तय करेगा यूक्रेन पश्चिमी देशों से जुड़ेगा या फिर मॉस्को के कब्जे में रहेगा : जेलिंस्की

पोक्रोव्स्क (एजेंसी)

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को तीन महीने का वक्त होने वाला है। युद्ध खत्म होने की फिलहाल कोई सूरत नहीं दिखाई देती। पिछले महीने तुर्की में दोनों देशों के राजनयिकों की वार्ता से कुछ उम्मीद जगी थी, लेकिन वार्ता के कुछ ही दिनों बाद रूस ने हमले तेज कर दिए। हाल ही में पोलैंड के राष्ट्रपति के यूक्रेन यात्रा के बाद रूस ने हमला और तेज कर दिए हैं। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि इस युद्ध का परिणाम यह तय करेगा कि उनके देश का भविष्य पश्चिम के साथ जुड़ा है या यह मॉस्को के कब्जे में होगा। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, हम उस दिन के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं, जो विजय दिवस होगा। जेलेंस्की ने अपने वीडियो संदेश में डोनबास की हालात को बेहद मुश्किल करार दिया। हालांकि, जेलेंस्की ने इस तथ्य की ओर इशारा किया कि युद्ध के 87वें दिन भी यूक्रेनी बल मजबूती से रूसी सैनिकों का मुकाबला कर रहे हैं। इस युद्ध में पश्चिमी देश यूक्रेन के साथ खड़े हैं। पश्चिमी देशों के कई राष्ट्राध्यक्ष यूक्रेन पहुंचकर वहां की जनता की हौसला आफजाई कर रहे हैं। शनिवार को पोलैंड के राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा अचानक यूक्रेन पहुंचे। इस बीच रूस ने एक तरह से यूक्रेन के बंदरगाह शहर मारियुपोल को पूरी तरह कब्जा कर लिया है। मारियुपोल में एक इस्पात केंद्र पिछले कुछ दिनों से यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष का केंद्र था, लेकिन इस पर रूस ने अब कब्जा कर लिया है। रूसी रक्षा मंत्री ने दावा किया है कि यह महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर अब उसके कब्जे में है।

दक्षिण अफ्रीका कोविड-19 महामारी के एक नए चरण में पहुंचा: इसका तात्पर्य क्या है

केपटाउन (एजेंसी)

दक्षिण अफ्रीका में हाल के हफ्तों में सार्स-सीओवी-2 के पुष्ट मामलों की संख्या बढ़ी है। ये मामले ओमीक्रोन स्वरूप के दो उप स्वरूपों बीए.4 और बीए.5 के हैं।

इन मामलों में गौर करने की बात यह है कि वर्तमान के मामलों और कोविड-19 की पहली चार लहरों में सामने आए मामलों में काफी अंतर है। पहला अंतर यह है कि दक्षिण अफ्रीका के लगभग सभी लोगों में किसी न किसी प्रकार की प्रतिरोधक क्षमता है, ये संक्रमण रोधी टीका लगवाने के कारण या संक्रमित हो चुके होने के कारण विकसित हो सकती है। दूसरा अंतर ये है कि इस लहर में कम लोगों को ही अस्पतालों में भर्ती होने की जरूरत पड़ रही है। मृतक संख्या भी काफी कम है।

तीसरा अंतर यह है कि संक्रमण के ये मामले चौथी लहर के लिए जिम्मेदार ओमीक्रोन स्वरूप के उप स्वरूपों से जुड़े हैं। चौथा अंतर यह है कि देश में इस बार प्रतिबंध अन्य लहरों की तुलना में काफी कम है।

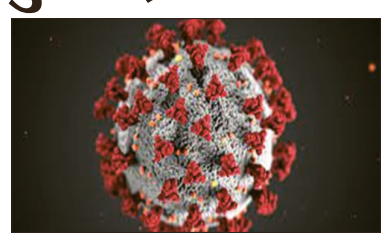

ये अंतर इस लिहाज से महत्पवूर्ण हैं कि इनसे कोविड-19 के रुख के बारे में अंदाजा लगाया जा सकता है और उसके हिसाब से तैयारियां की जा सकती हैं। ये दिखाते हैं कि दक्षिण अफ्रीका महामारी के एक नए चरण में प्रवेश करता प्रतीत होता है। आगे क्याः मामलों की संख्या और परिणाम दिखाते हैं कि संक्रमण काफी फैला है।

लेकिन जांच के तरीकों में वक्त के साथ आए बदलावों का निहितार्थ यह है कि इन मामलों की पहले की लहर के मामलों से सीधी तुलना नहीं की जा सकती। ताजा आंकड़ें दिखाते हैं कि नए मामलों की संख्या बढ़ने की दर कम होनी शुरू हुई है। पिछले कुछ सप्ताह से हम मामलों के चरम पर पहुंचने और फिन इनमें कमी आने को देख चुके हैं। हम ये देखने के आदी हो चुके हैं। आगे की बात करें तो हम उम्मीद करते हैं कि मामलों की संख्या बढ़ेगी और घटेगी, लेकिन ये पहले के मुकाबले कम घातक होगी। यह भी संभव है कि संक्रमण तेजी से फैलने की अवधि मौसमी हो जाए, जैसे कि बहुत से वायरस से जुड़ी बीमारियां होती हैं। इस वक्त यह बात मायने रखती है कि लक्षणों में होने वाले गंभीर बदलावों पर नजर रखने वाला तंत्र मौजूद है कि नहीं। इस प्रकार की निगरानी यह सुनिश्चित करेगी कि देश के स्वास्थ्य तंत्र पर अधिक दबाव नहीं पड़े। क्या मायने रखता है संक्रमण के प्रभाव की निगरानी के लिए कोई सटीक तंत्र मौजूद नहीं है, लेकिन कई ऐसे संकेतक हैं,जो सहायक साबित हो सकते हैं।

जैसे संक्रमितों की संख्या इस बात का अहम संकेत है कि संक्रमण का रुख किस प्रकार का है। संक्रमण के बचाव के उपाय जैसे मास्क लगाना, सामाजिक दूरी बनाना और भीड़भाड़ वाले स्थानों से दूर रहना हर हाल में बेहतर हैं।

दावोस सम्मेलन में भारत के प्रतिनिधि निवेश जुटाने, संघर्ष घटाने पर बल देंगे

दावोस (एजेंसी)

स्विट्जरलैंड के दावोस में दो साल के अंतराल के बाद आयोजित हो रहे विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के वार्षिक सम्मेलन में भारत से करीब 100 कारोबारी प्रतिनिधियों और 10 से ज्यादा मंत्रियों एवं मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है। इस दौरान उनका ध्यान निवेशकों को आकर्षित करने के साथ महामारी से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करने पर भी रहेगा। इस बैठक में भारत का आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल दुनिया को यह बताने की भी कोशिश करेगा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के मामले में उसका रवैया ही सबसे संतुलित रहा है। यह अलग बात है कि पश्चिमी देशों के तमाम नेता इस मामले में रूस के खिलाफ सख्त रवैया अपनाने की ही वकालत करते हुए नजर

आएंगे। भारत के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल की अगुआई वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल करेंगे।

उनके अलावा पेट्रोलियम और शहरी आवास मंत्री हरदीप सिंह पुरी और स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया भी इस सम्मेलन में शिरकत करेंगे। गोयल ने कहा कि यह सम्मेलन एक उभरती हुई आर्थिक ताकत के तौर पर भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को नए सिरे से रेखांकित करने में मदद करेगा और कारोबार एवं निवेश के आकर्षक केंद्र के तौर पर इसे पेश करेगा। भारतीय कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) दावोस बैठक में महामारी से निपटने से जुड़ी रणनीति एवं अपने अनुभवों को साझा करते हुए नजर आ सकते हैं। इसके साथ ही वे दुनियाभर के नेताओं से यह अनुरोध भी कर सकते हैं कि भविष्य में ऐसी किसी महामारी से निपटने के लिए एक संस्थागत ढांचा खड़ा किए जाने की जरूरत है। पांच दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन में निवेश एवं आर्थिक विकास से जुड़े मसलों के अलावा जलवायु परिवर्तन, क्रिप्टो मुद्राएं, बहुपक्षीय संस्थानों की भूमिका और दुनियाभर में लागत में हो रही बढ़ोतरी जैसे मुद्दों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

भारत की तरफ से सम्मेलन में गौतम अडाणी, संजीव बजाज, हरि एस भरतिया, श्याम सुंदर भरतिया, कुमार मंगलम बिड़ला, शोभना कामिनेनी, सुनील मित्तल और पवन मुंजाल जैसे उद्योगपतियों के अलावा अदार पूनावाला, रोशनी नाडर मल्होत्रा, रितेश अग्रवाल एवं बायजू रवींद्रन जैसे नए उद्यमी भी शामिल शिरकत करने वाले हैं। कुछ प्रतिनिधियों को लगता है कि दुनिया की नजर इस पर भी लगी रहेगी कि दो साल बाद होने वाले आम चुनावों के पहले भारत में किस तरह के राजनीतिक-सामाजिक घटनाक्रम घट रहे हैं।

हालांकि, एक भारतीय कंपनी के सीईओ ने कहा कि दुनियाभर में इन दिनों ध्रुवीकरण की गतिविधियां बढ़ रही हैं लिहाजा सिर्फ भारत को लेकर कोई मुद्दा चर्चा के केंद्र में रहने की संभावना काफी कम है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन संकट, जलवायु परिवर्तन और भविष्य में महामारी से निपटने की तैयारी के मुद्दे ही मुख्य रूप से चर्चा में रहेंगे। भारतीय नजरिये से दावोस बैठक की एक खास बात यह है कि इसमें कुछ राज्य जोरशोर से शिरकत कर रहे हैं।

तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और महाराष्ट्र ने यहां पर न सिर्फ अलग पवेलियन बनाए हैं बल्कि उनमें से कुछ राज्यों के मुख्यमंत्री भी यहां पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराने आएंगे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस बोम्मई ने भरोसा जताया है कि इस पहल से कर्नाटक को अधिक निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी।

दावोस सम्मेलन में शामिल होने वाले बोम्मई मुख्यमंत्री के तौर पर अपनी पहली विदेश यात्रा के दौरान 18 देशों के कारोबारी प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगनमोहन रेड्डी, महाराष्ट्र के मंत्री आदित्य ठाकरे और तमिलनाडु के मंत्री थंगम थेनारासु के अलावा तेलंगाना के मंत्री के टी रामाराव भी अपने राज्यों के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

दिल्ली में भारी बारिश और आंधी से कई मकान ढहे, आठ लोग घायल

नयी दिल्ली। दिल्ली के विभिन्न इलाकों में सोमवार सुबह भारी बारिश और आंधी के कारण कई मकान ढह गए, जिससे आठ लोग मामूली रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शहर के ज्वालापुरी, गोकलपुरी, शंकर रोड और मोती नगर इलाकों से मकान ढहने की सूचना मिली है। राजधानी के कुछ हिस्सों में पेड़ उखड़ गए और आईटीओ, डीएनडी और एम्स के पास विभिन्न हिस्सों में ट्रैफिक जाम की सूचना मिली। दमकल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक पश्चिमी दिल्ली के ज्वालापुरी में एक मकान के गिरने से तीन लोगों को मामूली चोट लगी, जिनका संजय गांधी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ज्वालापुरी में मकान ढहने की सूचना सुबह पांच बजकर 51 मिनट पर मिली, जिसके बाद दो दमकल गाड़ियां घटनास्थल के लिए रवाना की गईं। इसी से संबंधित एक अन्य घटना में उत्तर पूर्वी दिल्ली के गोकलपुरी में एक मकान ढह गया, जिसके बाद दो दमकल वाहनों को घटनास्थल के लिये रवाना किया गया।दिल्ली दमकल सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि इसके बाद पश्चिमी दिल्ली के मोती नगर इलाके में सुबह छह बजकर 36 मिनट पर एक मकान ढहने की सूचना मिली, जहां बचाव कार्य के लिए दो वाहनों को भेजा गया। उन्होंने बताया कि मोती नगर में तीन लोगों को चोटें आईं और उन्हें आचार्य भिक्षु अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। उन्होंने बताया कि मध्य दिल्ली के शंकर रोड इलाके से सुबह 6:28 बजे एक और मकान ढहने की सूचना मिली और दमकल विभाग की तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।

'अंग्रेजों ने हिंदुओं को मुसलमानों के खिलाफ खड़ा किया', महबूबा बोलीं- आज भाजपा भी यही कर रही

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने हिंदुओं को मुसलमानों के खिलाफ खड़ा किया और आज भाजपा ऐसा काम कर रही है और प्रधानमंत्री चुपचाप देख रहे हैं। दरअसल, असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने छोटे बच्चों के लिए मदरसा शिक्षा का विरोध करते हुए कहा था कि किसी भी धार्मिक संस्थान में प्रवेश उस उम्र में होना चाहिए जिसमें व्यक्ति अपने निर्णय खुद ले सके। इस पर पीडीपी प्रमुख की आक्रामक टिप्पणी सामने आई। जिसमें उन्होंने कहा कि देश को गुजरात मॉडल, यूपी मॉडल, असम मॉडल, एमपी मॉडल में बदलने का प्रयास किया जा रहा है। आप इसे कुछ भी कह सकते हैं। मुख्यमंत्री आपस में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं कि मुसलमानों को सबसे ज्यादा कौन परेशान कर सकता है। इसलिए मंदिरों और मस्जिदों के मुद्दे उठाए जा रहे हैं। समाचार एजेंसी के मुताबिक, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि इनका कम्पटीशन चल रहा है कि हमें देश को गुजरात मॉडल बनाना है या उत्तर प्रदेश मॉडल बनाना है। ये असम के मुख्यमंत्री से भी दो कदम आगे जाना चाहते हैं। हमारे सामने मिशाल है कि गुजरात में क्या हुआ, उत्तर प्रदेश में मुसलमानों के साथ क्या हो रहा है।

बेरोजगारी के मामले में सांसद वरुण गांधी ने अपनी ही सरकार को दिखाया आईना

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी सांसद वरुण गांधी ने बेरोजगारी और भर्तियों को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार को घेरने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि अपने कंधों पर पूरे परिवार की उम्मीदों का बोझ लेकर चलने वाले प्रतियोगी छात्रों का जीवन विगत कुछ वर्षों से एक लंबे संघर्ष की दास्तां बन चुका है। दरअसल, वरुण गांधी गरीबों, युवाओं और किसानों सहित तमाम ज्वलंत मुद्दों पर मुखरता से अपनी बात रखते हैं। इसी बीच वरुण गांधी ने अपनी ही सरकार को घेरकर कहा कि छात्र अब सिर्फ पढ़ाई नहीं करता है, बल्कि अपने हक की लड़ाई भी स्वयं ही लड़ता है। उन्होंने ट्वीट किया कि अपने कंधों पर पूरे परिवार की उम्मीदों का बोझ लेकर चलने वाले प्रतियोगी छात्रों का जीवन विगत कुछ वर्षों से एक लंबे संघर्ष की दास्तां बन चुका है। छात्र अब सिर्फ पढ़ाई नही करता, अपने हक की लड़ाई भी स्वयं लड़ता है। अरसों से लटकी भर्तियां और रेत की तरह फिसलता वक्त, छात्र हताश है। वरुण गांधी ने कहा कि बिना कारण रिक्त पड़े पद, लीक होते पेपर, सिस्टम पर हावी होता शिक्षा माफिया, कोर्ट-कचहरी व टूटती उम्मीद। छात्र अब प्रशासनिक अक्षमता की कीमत भी स्वयं चुका रहा है। चयन सेवा आयोग कैसे बेहतर हो, परीक्षाएं कैसे पारदर्शी एवं समय पर हों, इसपर आज और अभी से काम करना होगा। कहीं देर ना हो जाए। इससे पहले उन्होंने राशन कार्ड की पात्रता को लेकर बनाए जा रहे नए नियमों का हवाला देकर अपनी ही सरकार को घेरा था।उन्होंने कहा था कि चुनाव से पहले पात्र और चुनाव के बाद अपात्र? जनसामान्य के जीवन को प्रभावित करने वाले सभी मानक अगर 'चुनाव' देख कर तय किए जाएँगे, तब सरकारें अपनी विश्वसनीयता खो बैठेंगी। चुनाव खत्म होते ही राशनकार्ड खोने वाले करोड़ों देशवासियों की याद सरकार को अब कब आएगी? शायद अगले चुनावों में..!

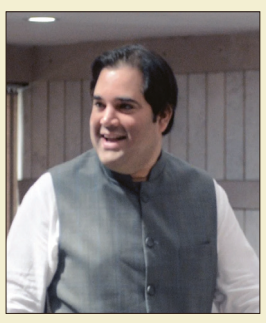

नीतिश ने जातिगत जनगणना को लेकर सर्वदलीय बैठक 27 मई को बुलाई

पटना । जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी इस नारे की गूंज विभिन्न राज्यों के क्षेत्रिए पार्टियों की ओर से लगाए जाते रहे हैं। इसके साथ ही जातिगत आधारित जनगणना को लेकर भी मांग तमाम दलों की ओर से उठाए जाते रहे हैं। अब बिहार में जातिगत जनगणना को लेकर सर्वदलीय बैठक 27 मई को होने वाली है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जातीय जनगणना को लेकर सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में शामिल होने के लिए विभिन्न दलों के नेताओं को फोन किया जा रहा है। पिछले कई महीनों से जातीय जनगणना के मुद्दे को लेकर विपक्षी दल राजद की तरफ से नीतीश कुमार से सर्वदलीय बैठक बुलाए जाने की मांग हो रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि जातिगत जनगणना के लिए हमने पहले ही कहा है। बिहार विधानसभा ने इस दो बार पारित किया है। इस बार सभी पार्टियों की बैठक करके इसपर निर्णय लेकर कैबिनेट के माध्यम से स्वीकृत करके काम शुरू होगा। इस संदर्भ में अनेक दलों से बातचीत की जाएगी। नीतीश ने कहा कि जातीय जनगणना में सभी से राय लेकर उसपर निर्णय लिया जाएगा। नीतिश ने देशभर में जाति आधारित जनगणना की मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने साल 2021 में प्रस्तावित जनगणना को जातियों के आधार पर कराने की अपील की थी। उनके साथ विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव व अन्य राजनीतिक दलों का प्रतिनिधि मंडल भी था। लेकिन केंद्र सरकार ने साफ-साफ जातिगत जनगणना कराने से इनकार कर दिया।

यूपी विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन अखिलेश की पार्टी का हाईवोल्टेज ड्रामा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश विधानसभा में 18वें सत्र के पहले दिन सपा विधायकों ने जमकर हंगामा किया। विधानमंडल के सत्र के पहले दिन सोमवार को राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष ने जमकर नारेबाजी की और वेल में उतर आया। खासतौर पर सपा सदस्य सरकार विरोधी नारों की तख्ती लेकर सदन में आए थे। उन्होंने राज्यपाल गो-बैक-गो बैक के नारे लगाए। वहीं महंगाई, आवारा पशुओं से बचाने को लेकर जमकर नारेबाजी की। यूपी विधानसभा सत्र से पहले मुख्यमंत्री योगी ने पत्रकारों से बात करते हुए विधायकों ने कहा कि मैं सभी सदस्यों का स्वागत करता हूं। मैं उनसे राज्य के विकास के लिए अपनी ऊर्जा का उपयोग करने का आग्रह करता हूं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि 2022-23 के लिए राज्य का बजट 26 मई को पेश किया जाएगा। सरकार उन मुद्दों पर चर्चा करने और उनका जवाब देने के लिए तैयार है, जिन्हें विधानसभा के सदस्य उठाएंगे। लेकिन सत्र शुरू होते ही समाजवादी पार्टी के विधायक विधानसभा में प्रदर्शन करते दिखे। राज्यपाल सदन की कार्यवाही शुरू होते ही करीब 11.04 बजे सदन में पहुंच गईं। उन्होंने अपना अभिभाषण शुरू ही किया था कि विपक्ष खासतौर पर सपा, कांग्रेस व बसपा के सदस्यों ने जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। सपा के सदस्य महंगाई की यह सरकार नहीं चलेगी। आवारा पशुओं से बचाओं, महिलाओं का सम्मान नहीं कानून का राज नहीं, विपक्ष पर झूठे मुकदमे खत्म करो जैसे नारों की तख्तियां लिए हुए थे। उन्होंने कई बार नारे लगाते हुए पुरानी पेंशन बहाली की मांग की। सपा के कई सदस्यों के हाथों में तख्तियां थीं, जिन पर लिखा था बुलडोजर का भय दिखाकर जनता से लूट बंद करो। सपा सदस्य लगातार जोरशोर से नारे लगाते रहे। सपा की महिला सदस्यों ने सफेद रंग की जैकेट पहनी और वे वेल मे उतर आईं। उनकी जैकेटों पर- महिलाओं को सम्मान नहीं कानून का राज नहीं लिखा हुआ था। महिला सदस्यों ने वेल में जमकर नारेबाजी की। वे महिला सुरक्षा के मुद्दे उठा रही थीं। इस दौरान राज्यपाल लगातार बिना रुके अभिभाषण पढ़ती रहीं। उन्होंने योगी सरकार की पांच साल की उपलब्धियों

का सिलसिलेवार ब्योरा पेश किया। खासतौर पर कानून-व्यवस्था, किसानों को लेकर लाई गई योजनाओं और अन्य विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने राज्य को वन ट्रिलियन इकानामी बनाए जाने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास के मंत्र को लेकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्यपाल ने एक घंटा एक मिनट और पंद्रह सेकेंड तक अभिभाषण पढ़ा और भाषण खत्म करने के बाद ही पानी पिया।

15 लाख टन विदेश से कोयला लाने की तैयारी में बिजली कंपनी

- करीब दो हजार करोड़ रुपए आएगा खर्च, अभी साढ़े सात लाख टन के लिए निविदा जारी
- अडानी समेत तीन कंपनियों ने की दावेदारी

भोपाल (एजेंसी)

रबी सीजन के वक्त बिजली की कमी न हो इसके कोयले की उपलब्धता तय की जा रही है। बिजली कंपनियों ने अभी से विदेश को कोयला आयात करने की तैयारी कर दी है। करीब 15 लाख टन कोयला विदेश से खरीदा जाएगा। इसमें करीब दो हजार करोड़ रुपये व्यय होंगे। जाहिर है कि बिजली उत्पादन के लिए इस अतिरिक्त भार को बिजली कंपनियां उपभोक्ताओं पर ही डालेगी। विशेषज्ञों का दावा है कि करीब एक रुपये प्रति यूनिट बिजली के दाम में अतिरिक्त बढ़ोतरी होगी। हालांकि ऊर्जा सचिव संजय दुबे ने पहले ही माना था कि विदेश से कोयला लाने में 25-30 पैसे प्रति यूनिट का मामूली इजाफा ही होगा।

पहले चरण में मप्र पावर जनरेशन कंपनी ने

साढे सात लाख टन कोयला आयात करने के लिए निविदा जारी की है। इसकी लागत करीब 974 करोड़ रुपये है। कोयला आयात करने के लिए तीन कंपनियों ने आवेदन किया है। इसमें अडानी के अलावा दो अन्य कंपनियां भी शामिल है। ऊर्जा विभाग के अनुसार केंद्र सरकार के निर्देश पर विदेश से कोयला खरीदा जा रहा है। पहले कुल जरूरत का चार प्रतिशत कोयला खरीदने के निर्देश हुए थे। अब इसे 10 प्रतिशत किया गया है। ऐसे में 15 लाख टन कोयला विदेश से लिया जाएगा। इसके लिए बाद में प्रक्रिया की जाएगी।

देशी के साथ 10 प्रतिशत विदेशी कोयला

मप्र पावर जनरेशन कंपनी रबी सीजन के लिए पांच माह पहले ही कोयले की खरीदी की जा रही है। कंपनी प्रबंधन ने जरुरत के चार फीसद करीब 7.50 लाख मीट्रिक टन कोयला खरीदी का टेंडर निकाला है। इसकी अनुमानित लागत 15 से 18 हजार रुपये प्रति टन होगी। जबकि भारतीय कोयला 3500 - 4000 हजार रुपये प्रति टन मिलता है। विदेशी कोयले को बिजली ताप गृह में 90 प्रतिशत देशी तो 10 प्रतिशत विदेशी कोयला उपयोग किया जाएगा।

विदेशी कोयला क्यों

सामान्यतौर पर इंडोनेशिया,अस्ट्रेलिया और अफ्रीकी देशों से कोयला आयात होता है। इसकी गुणवत्ता का आकलन उससे पैदा होने वाली ऊर्जा से होता है। जितना बेहतर कोयला उतनी अधिक ऊर्जा पैदा करता है। गुणवत्ता वाले कोयले में राख कम बनती है। कंपनी का दावा है कि रबी सीजन में 17 हजार मेगावाट तक बिजली की मांग होगी इस वजह से बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ऐसा किया जा रहा है।

15 लाख टन कोयला खरीदना है

विदेश से कोयला आयात करने के लिए आवेदन आ चुके हैं। तीन आवेदन हैं, जिसमें तीन फर्म का आवेदन मिला है। अभी उनके दस्तावेजों की जांच की जा रही है। दो-तीन दिन के अंदर निविदा को खोल दिया जाएगा। केंद्र की गाइडलाइन के मुताबिक करीब 15 लाख टन कोयला खरीदा जाना है।-राजीव श्रीवास्तव, मुख्य अभियंता फ्यूल मैनेजमेंट मप्र पावर जनरेशन कंपनी

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कटौती कहीं मोदी सरकार के सामने खड़ी ना कर दे नई मुसीबत

नई दिल्ली (एजेंसी)

चौतरफा महंगाई की मार झेल रही जनता को राहत देने के लिए शनिवार को केन्द्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने पेट्रोल और डीजल से एक्साइज ड्यूटी घटाने का फैसला किया। सरकार ने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 8 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 6 रुपये प्रति लीटर कम करने का फैसला किया था। इससे जहां आम जनता को राहत मिली है। वहीं, केन्द्र सरकार पर अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है। आइए जानते हैं कि क्या एक्साइज ड्यूटी में यह कटौती मोदी सरकार के लिए नई मुसीबत तो नहीं खड़ी कर देगी केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि एक्साइज ड्यूटी में इस कटौती की वजह से सरकार पर अतिरिक्त 1 लाख करोड़ रुपये का भार पड़ेगा। बता दें, पिछले साल नवंबर में केन्द्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले एक्साइज ड्यूटी में कटौती का फैसला किया था। तब सरकारी खजाने पर 1,20,000 करोड़ रुपये का भार पड़ा था। यानी इन दोनों कटौतियों को मिलाकर सरकार के खजाने पर 2,20,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ेगा। ऐसे समय में जब सरकार एक्साइज ड्यूटी में कटौती करने का फैसला किया है और विनिवेश के तय लक्ष्य को हासिल करने में मुश्किल खड़ी हो रही है तब यह सवाल खड़ा होता है कि क्या सरकार सब्सिडी का बोझ संभाल पाएगी? केन्द्र सरकार के मंत्री सदन से लेकर सड़क तक पेट्रोल-डीजल से वसूले जाने वाले एक्साइज ड्यूटी के कलेक्शन के बचाव में कहते थे की इसका लाभ गरीबों को हो रहा है। सरकार के बजट का बड़ा हिस्सा सब्सिडी देने में जाता है। शनिवार को सरकार ने 9 करोड़ उज्ज्वला गैस लाभार्थियों को 12 सिलिंडर पर 200 रुपये की सब्सिडी का ऐलान किया था। ऐसे में इस सवाल उठता है कि नए सब्सिडी के अलावा पुराने सब्सिडी का बोझ के तले कहीं विकास की योजनाओं की कुर्बानी तो नहीं दी जाएगी?

प्रधानमंत्री मोदी मैसुरु में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगे

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को मैसुरु में मुख्य कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगे। कोरोना वायरस महामारी के चलते दो साल के अंतराल के बाद कार्यक्रम का आयोजन सामान्य रूप से किया जा रहा है। आयुष मंत्री सबानंद सोनोवाल ने कहा कि चूंकि, देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, ऐसे में योग दिवस देश भर में 75 ऐतिहासिक स्थलों पर मनाया जाएगा और इसका मुख्य जोर वैश्विक स्तर पर भारत की एक विशेष पहचान बनाने पर होगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के तहत सिलसिलेवार कायर्क्रमों का आयोजन किया जाएगा और इस कड़ी में हैदराबाद में 27 मई को आयोजित कार्यक्रम में 10,000 प्रतिभागी भाग लेंगे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से 25 दिन पहले से कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इससे पहले, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के क्रम में शिवडोल में दो मई को और यहां लाल किला में सात अप्रैल को बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से 50 दिन पहले शिवडोल में और 75 दिन पहले दिन पहले दिल्ली में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस साल मैसुरु में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम के अलावा, 21 जून को मुख्य आकर्षण 'गार्डियन रिंग' होगा, जो एक 'रिले योग स्ट्रीमिंग' (योग का सीधा प्रसारण) कार्यक्रम है और इसमें विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों को डिजिटिल माध्यम से प्रसारित किया जाएगा।

पंजाब और उसके आसपास के राज्यों में रेलवे ट्रैक को निशाना बनाने की बड़ी साजिश

नई दिल्ली (एजेंसी)

वक्त-वक्त पर पाकिस्तानी आतंकी भारत की शांति को भंग करने के लिए साजिशें रचते रहते हैं। देश में कई आतंकी हमले करने में कामयाब भी हुए हैं और कितनी ही साजिशों में हमारे देश की खुफियां एजेंसियों ने जमीन पर ही ध्वस्त कर दिया। ताजा अपडेट की बात करें तब आंतकी एक बार फिर भारत में हमले की तैयारी में हैं। खुफिया एजेंसियों ने अलर्ट जारी कर चेतावनी दी है कि पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस ने पंजाब और उसके आसपास के राज्यों में रेलवे ट्रैक को निशाना बनाने की बड़ी साजिश रची है।

अलर्ट में कहा गया है कि आईएसआई के गुर्गों ने पंजाब और आसपास के राज्यों में रेल पटरियों को उड़ाने की योजना बनाई है। भारत की खुफिया एजेंसियों ने कहा कि मालगाड़ियों को टक्कर मारने के लिए रेलवे ट्रैक को उड़ाने की योजना बनाई जा रही थी। खुफिया एजेंसियों ने अलर्ट में कहा कि आईएसआई भारत में अपने गुर्गों को रेलवे ट्रैक को निशाना बनाने के लिए बड़े पैमाने पर फंडिंग कर रही है। भारत में मौजूद पाकिस्तान के स्लीपर सेल को आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए मोटी रकम दी जा रही है।

बता दें कि इस समय जम्मू कश्मीर में आतंकियों ने टारगेटिंग कीलिंग शुरू कर रखी हैं। आतंकी टारगेट करके कश्मीरी पंडितों की हत्या कर रहे हैं। हाल ही में सरकारी कर्मचारी राहुल भट्ट की आर्तकियों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी जिसके बाद घाटी में काफी ज्यादा बवाल मचा हुआ था। भाजपा सरकार के खिलाफ कश्मीरी पंडित विरोध कर रहे थे। वह भारत सरकार से अपनी सुरक्षा की मांग कर रहे थे।

पंजाब के कृषि क्षेत्र को देश के सामने 'मॉडल' के तौर पर पेश किया जाएगा: केजरीवाल

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) नेता एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि पंजाब में उनकी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार राज्य के कृषि क्षेत्र को देश के सामने एक 'मॉडल' के रूप में पेश करेगी, जैसा कि पार्टी ने राष्ट्रीय राजधानी में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में अपने उल्लेखनीय कार्यों के जरिये करके दिखाया है। केजरीवाल ने 'किसान हितैषी' फैसले लेने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की भी सराहना की। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने यहां कहा, 'पंजाब में, खेती एक बहुत बड़ा मुद्दा है। हमारा उद्देश्य है कि जिस तरह हमने दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली के क्षेत्रों को 'मॉडल' के रूप में पेश किया है, हम पंजाब के कृषि क्षेत्र को देश के सामने एक मॉडल के रूप में पेश करेंगे।' उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी की सरकार द्वारा दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली के क्षेत्रों में किए गए कार्यों की व्यापक रूप से सराहना की गई है। केजरीवाल केंद्र के तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ एक साल के आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री भगवंत मान और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव भी मौजूद थे। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में उनकी पार्टी की सरकार की पहली प्राथमिकता किसानों की आय बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी (किसानों) आय नहीं बढ़ेगी, किसान आत्महत्या करते रहेंगे और कर्ज के जाल में फंसे रहेंगे।

मंकीपॉक्स का खतरा: बीएमसी ने कस्तूरबा अस्पताल में पृथक वार्ड तैयार किया

मुंबई। (एजेंसी)

कुछ देशों से मंकीपॉक्स के मामले सामने आने के बाद मुंबई के नगर निकाय ने यहां के कस्तूरबा अस्पताल में संदिग्ध मरीजों को पृथक रखने की व्यवस्था के तहत 28 बिस्तरों वाला एक वार्ड तैयार रखा है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के जन स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि अब तक मुंबई में मंकीपॉक्स के किसी भी संदिग्ध मरीज या पुष्ट मामले की कोई सूचना नहीं मिली है।

पशुओं से फैलने वाले संक्रामक रोग के बारे में जारी एक परामर्श में बीएमसी ने कहा कि हवाई अड्डे के अधिकारी इस बीमारी से प्रभावित और गैर-प्रभावित देशों, जहां इसका प्रकोप बढ़ने की आशंका है, वहां से आने वाले यात्रियों की जांच कर रहे हैं। परामर्श में कहा गया है, 'संदिग्ध मरीजों को पृथक रखने के लिए कस्तूरबा अस्पताल में एक अलग वार्ड (28 बेड) तैयार किया गया है और उनके नमूने पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) को जांच के लिए भेजे जाएंगे।' मुंबई में सभी स्वास्थ्य सुविधाओं को सूचित किया गया है कि वे मंकीपॉक्स के किसी भी संदिग्ध मामले के बारे में कस्तूरबा अस्पताल को सूचित करें और ऐसे मरीजों को वहां भेजें। बीएमसी के परामर्श के अनुसार, मंकीपॉक्स पशुओं से फैलने वाला वायरल संक्रामक रोग है, जो मुख्य रूप से मध्य और पश्चिम अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय वर्षावन क्षेत्रों में होता है और कभी-कभी अन्य क्षेत्रों में संक्रमण के मामले देखे गए हैं।

परामर्श में बताया गया है, 'मंकीपॉक्स में आमतौर पर बुखार, दाने निकलने और सूजन जैसे लक्षण दिखते हैं और इससे चिकित्सा संबंधी कई जटिलताएं हो सकती हैं।' बीएमसी ने कहा कि ये लक्षण आमतौर पर दो से चार सप्ताह तक दिखते हैं और धीरे-धीरे ठीक हो जाते हैं। कभी कभी मामले गंभीर हो सकते हैं और इस रोग से मृत्यु दर 1-10 प्रतिशत तक है। यह बीमारी जानवरों से इंसानों में और फिर इंसान से इंसान में फैल सकती है। परामर्श में कहा गया है, 'वायरस कटी-फटी त्वचा (भले ही दिखाई न दे), श्वास नली या श्लेष्मा झिल्ली (आंख, नाक या मुंह) के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता है।' परामर्श के मुताबिक पशु-से-मानव में वायरस का संचरण काटने या खरोंच, बुशमीट (जंगली जानवरों के मांस), शरीर के तरल पदार्थ या जख्मों के सीधे या अप्रत्यक्ष संपर्क में आने जैसे कि संक्रमित व्यक्ति के कपड़े, बिस्तर के संपर्क में आने से फैल सकता है। माना जाता है कि मानव-से-मानव में संक्रमण मुख्य रूप से बड़ी श्वांस कणों के माध्यम से होता है, जिन्हें आमतौर पर लंबे समय तक निकट संपर्क की आवश्यकता होती है। मंकीपॉक्स का रोग पनपने की अवधि आमतौर पर 7 से 14 दिनों की होती है,

लेकिन यह 5-21 दिनों तक भी हो सकती है और इस अवधि के दौरान व्यक्ति आमतौर पर संक्रामक नहीं होता है। परामर्श में कहा गया है, 'एक संक्रमित व्यक्ति दाने दिखने से 1-2 दिन पहले तक बीमारी फैला सकता है और तब तक संक्रामक बना रह सकता है जब तक कि सभी दाने मुरझा कर ठीक नहीं हो जाएं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सचिन के कई इलाकों में अतीत से लेकर आज तक अवैध निर्माण जारी

ब्लॉक नंबर 137 पाकीजा नगर में सूडा के सौजन्य से कई बहुमंजिला इमारतों पर सुडा के बाद, सूरत मनपा का आशीर्वाद बरकरार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

ब्लॉक नंबर 137, सचिन का पाकीजा नगर के नाम से जाना जाता है, सूडा के आशीर्वाद के साथ पाकीजा नगर में एक बहुमंजिला इमारत बन गई है। हालांकि, तक्षशिला घटना के बाद, सिस्टम ने पाकीजा नगर में दो भवनों को सील कर दिया, दुकानदारों ने खुद कोई विशेष कार्रवाई नहीं की बचने का रास्ता देना। वर्तमान में निगम के अधिकारी भी सूडा के अधिकारियों से कम नहीं हैं, इसलिए क्षेत्र में पहले से अधिक अवैध निर्माण जमे हुए हैं।

साल 2020 से पहले सचिन समेत आसपास के इलाकों में निर्माण के लिए स्थानीय पंचायतों की एनओसी और सूडा की अनुमति लेनी पड़ती थी. पूर्व मामलातदार धर्मेश महाकाल और डिप्टी कलेक्टर राजेश बोरड के साथ भ्रष्ट सूडा अधिकारियों ने अपने सर्वेयरों को कागज का खेल खेलने के लिए भेजा. जब अवैध निर्माण हो रहा था. और किसी के द्वारा इमारत के मालिक को कानून का डर दिखाते हुए और अपनी जेब को गर्म करने के लिए नोटिस देकर अधिकारी अपने मनचाही रकम वसूली कर कार्यवाही के नाम पर कार्यवाही करते नजर आते हैं, सचिन के प्रखंड क्रमांक 137 में कई भवन बनकर तैयार हो चुके हैं और किराए पर दे दिए गए हैं, जिन पर कभी सूडा का आशीर्वाद था और अब सूरत नगर निगम के अधिकारियों समेत नगरसेवक अपनी खराब मंशा पूरी कर रहे हैं. सचिन के पाकीजा नगर का पूरा इलाका जहां बहुमंजिला इमारतें बनकर तैयार हो चुकी हैं, बताया जाता है कि इस जमीन पर निर्माण से पहले मकसद नहीं बदला गया है. साल 2020 के आधे रास्ते में जब निगम सत्ता में आया तो चुनाव के बाद निगम के अधिकारी सक्रिय हो गए और कई निर्माणों को राडार पर ले लिया, जिससे स्थानीय क्षेत्र में भय का माहौल पैदा हो गया. निगम ने कई इमारतों को सील भी किया और फिर उन्हें खुल दिया।

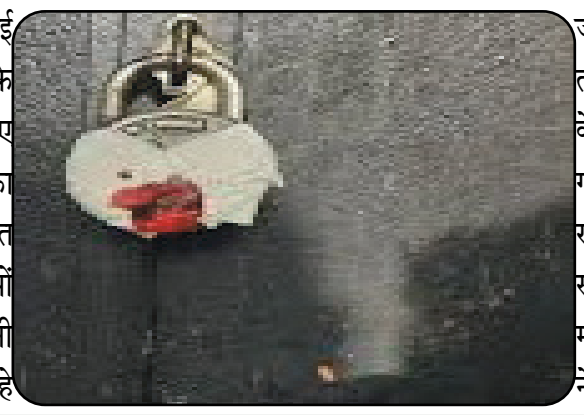

कार्यवाही के नाम पर कार्यवाही

1-सूरत की तक्षशिला अग्निकांड के बाद कुछ अवैध रूप से बने बिल्डिंगों में सील किया गया था लेकिन अधिकारियों को गुलाबी रंगो में इस प्रकार किया गए सील लापता हो गई.

2-गुजरात होईकोर्ट के आदेशानुसार फिर से किया गई सील वह भी अभी लापता हो गई .

3-इस प्रकार की लापरवाही पूर्वक कार्यकरने पर सभी अधिकारीयों पर CrPcकी धाराओं के तहत थानाध्यक्ष अंतर्गत परिवाद दर्ज होने आवश्यक हो जाता है, जो की इस प्रकार के लापरवाही अगर उच्च अधिकारी करें तो वह भी इस प्रकार के CrPc की धाराओं के तहत जिल्ला मजिस्ट्रेट को भी परिवाद दर्ज कराना आवश्यक हो जाता है ?

जहां लोगों के बीच यह चर्चा हो रही है कि निगम के अधिकारी आज तक पाकीजा कस्बे में बने भवनों तक नहीं पहुंचे हैं और उस पर कोई विशेष कार्रवाई नहीं की है,

सवाल यह उठता है कि क्या निगम के अधिकारियों ने भी पाकीजा नगर के सभी बने दुकानों को सीलिंग कर के उस बने सभी बिल्डिंग के मालिकों और दुकान मालिक के पास से काफी रकम वसूली किया गया हैं इस प्रकार की चर्चाएँ बिल्डिंग के मालिकों और दुकान मालिक के बीच हो रही है की अब किसी प्रकार की कोई भी कार्यवाही होने का डर नही होगा ? यहां यह उल्लेख किया जा सकता है

कि ब्लॉक संख्या -137 में भवनों को भी कानूनी नोटिस दिया जाना चाहिए और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए,

क्योंकि यह आश्चर्य की बात नहीं होगी कि ब्लॉक संख्या -137 में बने अधिकांश भवन फर्जी साबित होते हैं। .

जागरूक लोग कह रहे हैं कि निगम के अधिकारियों के लिए इस मामले में निजी दिलचस्पी लेना और इस दिशा में कार्रवाई करना जरूरी हो गया है.

एसएमसी की नई पहल, एक टिकट पर यात्री सिटी बस और बीआरटीएस बसों में कर सकेंगे सफर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत महानगर पालिका (एसएमसी) ने शहर में बढ़ती यातायात और प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए नई पहल की है। एसएमसी आगामी 15 जून से वन टिकट वन जर्नी योजना शुरूकरने जा रही है, इसके अंतर्गत यात्री एक टिकट पर सिटी बस और बीआरटीएस बसों में दिनभर सफर कर सकेंगे। एसएमसी की इस योजना से मध्यम और नौकरीपेशा वर्ग को आर्थिक राहत मिलेगी। पेट्रोल और डीजल के लगातार बढ़ती कीमतों के चलते ज्यादातर लोग खासकर दुपहिया चालक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने लगे हैं। ऐसे लोगों के एसएमसी की इस योजना से काफी फायदा होगा। सूरत शहर के 58 रूट पर 800 जितनी बीआरटीएस की बसें चलती हैं और इसमें प्रति दिन 2.30 लाख जितने यात्री सफर करते हैं। बीआरटीएस के यात्रियों को सिटी बस में भी यात्रा करनी होती है और उसके लिए दूसरा टिकट लेना पड़ता है। ऐसे में एसएमसी का वन टिकट वन जर्नी योजना यात्रियों के लिए लाभदायक साबित होगी। आगामी 15 जून से शुरू होने वाली वन टिकट वन जर्नी योजना के तहत यात्री दिन एक बार रु 25 का टिकट लेकर सिटी बस और बीआरटीएस बस में दिनभर अनलिमिटेड यात्रा कर सकेंगे।

तापी-पार लिंक प्रोजेक्ट रद्द करने का श्वेतपत्र जारी होने तक आंदोलन जारी रहेगा : कांग्रेस विधायक

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, गुजरात सरकार तापी-पार-नर्मदा लिंक प्रोजेक्ट रद्द करने का ऐलान कर चुकी है, इसके बावजूद इस मुद्दे पर राजनीति थमने का नाम नहीं ले रही। कांग्रेस ने प्रोजेक्ट रद्द करने की घोषणा को चुनाव से जोड़ते हुए आज सूरत में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा सरकार पर कड़े प्रहार किए। कांग्रेस विधायक अनंत पटेल ने कहा कि जब तक तापी-पार-नर्मदा लिंक प्रोजेक्ट रद्द किए जाने के बारे में सरकार श्वेतपत्र जारी नहीं करती तब उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस मुद्दे को वांसदा में फिर एक बड़ी रैली का आयोजन किए जाने की जानकारी देते हुए अनंत पटेल ने कहा कि इस योजना को जड़ से उखाड़ देने को हम कटिबद्ध हैं। उमरगाम से लेकर अंबाजी तक हमारी आंदोलन जारी रहेगी। कांग्रेस नेता तुषार चौधरी ने सवाल उठाया कि केन्द्र सरकार के तापी-पार-नर्मदा प्रोजेक्ट को गुजरात सरकार कैसे रद्द कर सकती है? यह प्रोजेक्ट जल संसाधन मंत्रालय का है और इसे रद्द करने का ऐलान मुख्यमंत्री करते हैं। चौधरी ने इस प्रोजेक्ट की वजह से 35 हजार परिवार बेघर होने का दावा करते हुए सरकार पर कड़े प्रहार किए। गौरतलब है पिछले सप्ताह गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने पत्रकार परिषद में तापी-पार-नर्मदा लिंक प्रोजेक्ट रद्द करने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि केन्द्र सरकार की यह योजना राज्य सरकार की मंजूरी के बाद आगे बढ़े उससे पहले आदिवासी समाज को गुमराह किया गया। सरकार ने आदिवासियों के लिए अनेक योजनाएं बनाई हैं। आदिवासी समाज की तापी-पार-नर्मदा लिंक योजना से नाराजगी है। आदिवासियों की मांग को ध्यान में रखते हुए सरकार ने तापी-पार-नर्मदा लिंक योजना को रद्द करने का फैसला किया है। अर्थात इस योजना को हमेशा के लिए बंद किया जाता है।